RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-326 | जयपुर, शनिवार, 23 मई 2026 | मूल्य-4 रूपये

प्रधानमंत्री आज 51 हजार से अधिक युवाओं को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को 19वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नव नियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। पीएम वीसी के माध्यम से सुबह 11 बजे कार्यक्रम में शामिल होंगे और युवाओं को संबोधित भी करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता के तहत रोजगार मेला एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया को तेज करना व युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। बयान में कहा गया है कि देशभर में आयोजित 18 रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक 12 लाख भर्ती पत्र जारी किए जा चुके हैं। 19वां रोजगार मेला देशभर के 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से चयनित अभ्यर्थियों को भारत सरकार के कई मंत्रालयों और विभागों में नियुक्ति दी जाएगी। इनमें रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग समेत अन्य विभाग शामिल हैं।

हाईकोर्ट में एक जून से ग्रीष्मकालीन अवकाश

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन ने ग्रीष्मकालीन अवकाश को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार हाईकोर्ट में 1 से 28 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। इसके बाद कोर्ट 29 जून को पुन खुलेगा।

अवकाश अवधि के दौरान जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए वेकेशन जजों की नियुक्ति की है। प्रधान पीठ जोधपुर में सिंगल बेंच के लिए अलग-अलग अवधियों में न्यायाधीशों की ड्यूटी लगाई है। डिवीजन बेंच में भी अलग-अलग अवधियों के लिए न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डल एवं मंत्रिपरिषद की बैठक के महत्वपूर्ण निर्णय

घर बैठे जीवित प्रमाण पत्र दे सकेंगे पेंशनर्स दिव्यांगों को एक बार ही देना होगा सर्टिफिकेट

सेमी कण्डक्टर, डाटा सेंटर, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा प्रोत्साहन

सोलर-सीमेंट कंपनियों को 1,678 हेक्टेयर जमीन देने को मंजूरी

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। कैबिनेट ने पेंशनर्स को बड़ी राहत दी है। पेंशनर्स अब मोबाइल एप से फेस रिकग्नाइजेशन तकनीक से घर बैठे जीवित प्रमाण पत्र दे सकेंगे।

दिव्यांगों बच्चों को पेंशन के लिए अब केवल एक बार ही सर्टिफिकेट देना होगा। कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक में पेट्रोल-डीजल बचाने पर चर्चा हुई। राजस्थान में 262 स्थानों पर 500 से ज्यादा ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। बैठक में राजस्थान की इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट पॉलिसी को मंजूरी दी गई। उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि राजस्थान की नई इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट पॉलिसी को मंजूरी दी है।

डेटा सेंटर, लॉजिस्टक सेंटर्स को अब उद्योग का दर्जा मिलेगा। हर जिले की आर्थिक पहचान होगी। सेमीकंडक्टर इको सिस्टम, एआई को अपनी उद्योग नीति में शामिल किया है।

कैबिनेट ने जेके सीमेंट को जैसलमेर में रेलवे ट्रैक बनाने के लिए 71 हेक्टेयर जमीन देने का फैसला किया है। यह जमीन डीएलसी की दोगुनी दर पर देने को मंजूरी दी है। डालमिया सीमेंट को जैसलमेर में 121 हेक्टेयर जमीन दोगुनी डीएलसी रेट पर दी जाएगी।

उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा-पेंशनर्स को अब ई मित्र या बैंक जाकर जीवित प्रमाण पत्र देने की बाध्यता नहीं रहेगी। पेंशनर्स अब मोबाइल एप से फेस रिकॉग्निशन तकनीक से घर बैठे जीवित प्रमाण पत्र दे सकेंगे। कैबिनेट ने नई व्यवस्था लागू करने की मंजूरी दी है।

नॉन गजटेड अफसर भी अब एसएसओ आईडी से जीवन प्रमाण पत्र जारी कर सकेंगे। केवल एक गजटेड अफसर के हस्ताक्षर से ही पेंशन प्रमाणित करवानी होगी। पहले दो अफसरों के हस्ताक्षर होते थे।

कैबिनेट बैठक में सीएम भजनलाल शर्मा ने गर्मी के मौसम में सभी मंत्रियों को अपने प्रभाव वाले जिले में जाकर अथवा वीसी के जरिए बिजली-पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दिव्यांगता पेंशन पाने वाले विशेष योग्यजन बच्चों को स्थाई विकलांगता का प्रमाण पत्र अब एक बार ही देना होगा। पहले हर तीन साल में सर्टिफिकेट देना होता था।

कैबिनेट और मंत्रिपरिषद में पेट्रोल-डीजल बचाने पर चर्चा

उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा-फ्यूल बचाने को लेकर आज सीएम ने चर्चा की है। सीएम ने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए खुद पहल करने के अलावा जनता को भी प्रेरित करें।

प्रदेश में पंचायत-निकाय चुनाव 31 जुलाई तक हो: हाईकोर्ट

आयोग सुप्रीम कोर्ट जाएगा

जयपुर

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग को 31 जुलाई तक पंचायत-निकाय चुनाव करवाने का निर्देश दिया है। खंडपीठ ने कहा कि शहरी निकायों के वार्ड परिसीमन तथा मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की प्रक्रिया 20 जून तक पूरी हो। पुनरीक्षण प्रक्रिया में विलंब के संबंधित अफसर जिम्मेदार होंगे। यह निर्देश शुक्रवार को एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित ने दिए। कोर्ट ने 11 मई को गिरिराज सिंह देवन्दा व पूर्व विधायक संयम लोढ़ा और राज्य सरकार व चुनाव आयोग की बहस के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

खंडपीठ ने कहा कि ओबीसी आयोग की रिपोर्ट में देरी के आधार पर हम सुप्रीम कोर्ट के 'राहुल रमेश वाघ तथा सुरेश महाजन' मामले में व्यक्त से निर्देशित होंगे। आयोग के ढीले रवैये को चुनाव में बाधा नहीं

बनने देंगे। एजी राजेन्द्र प्रसाद ने दलील दी थी कि पंचायत चुनाव के लिए 45,380 केंद्र और ढाई लाख कर्मचारियों की जरूरत पड़ेगी। इनमें 70% कर्मचारी शिक्षक होंगे। प्रत्येक केंद्र पर पुलिस बल की तैनाती भी आवश्यक होगी, जिससे चुनावी प्रक्रिया और जटिल हो जाती है। इसके अलावा ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के बाद एससी, एसटी, ओबीसी एवं महिला आरक्षण तय होगा।

खंडपीठ ने स्पष्ट किया ओबीसी आयोग की रिपोर्ट पेश करने में हुई देरी के आधार पर हम सुप्रीम कोर्ट के राहुल रमेश वाघ तथा सुरेश महाजन मामलों में व्यक्त विचारों से निर्देशित होंगे। इसलिए हम आयोग के ढीले-ढाले रवैये को पंचायत एवं शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने में बाधा नहीं बनने देंगे। खंडपीठ ने इस मामले में 11 मई को राज्य सरकार सहित अन्य पक्षकारों की बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। खंडपीठ ने राज्य सरकार के एजी की नवंबर महीने में चुनाव करवाने की दलील को बिना किसी ठोस आधार के देना बताया। खंडपीठ ने कहा कि बारिश व गर्म मौसम जैसे बहानों का राजस्थान राज्य में कोई स्थान नहीं है, क्योंकि यहां ऐसी कोई अत्यधिक मौसमीय परिस्थितियां नहीं हैं जिन्हें नागरिक सहन न कर सकें।

दरअसल हाईकोर्ट ने 14 नवंबर 2025 को 439 याचिकाओं पर फैसला देते हुए राज्य सरकार को प्रदेश में 15 अप्रैल तक पंचायत व निकाय चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर कई याचिकाओं पर भी राज्य में 15 अप्रैल तक चुनाव कराने के लिए कहा था। प्रार्थी के वकील प्रेमचंद देवंदा ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर चुनावों को टालते हुए राजनीतिक कारणों से चुनाव करवाने से बच रही है।

कोर्ट ने 8 पुलिसकर्मियों को भगोड़ा घोषित किया

घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ का आरोप, 7 साल से अदालत में पेश नहीं हुए थे

बाड़ी (धौलपुर)

धौलपुर जिले में कोर्ट ने 8 पुलिसकर्मियों को भगोड़ा घोषित कर उनके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया है। ये पुलिसकर्मी कंचनपुर थाना क्षेत्र के जमालपुरा गांव में घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ करने और नकदी ले जाने के मामले में 7 साल से कोर्ट में पेश नहीं हुए थे।

बाड़ी एसीजेएम-2 कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सभी पुलिसकर्मी 7 सालों तक धौलपुर जिले में ही पदस्थापित रहने के बाद भी कोर्ट में पेश नहीं हुए। साथ ही कोर्ट की ओर से जारी जमानती वारंट और गिरफ्तारी वारंट को गंभीरता से न लेकर कोर्ट के आदेशों की अवहेलना की है।

4 नवंबर 2015 को घर में घुसकर की थी मारपीट

शिकायतकर्ता एडवोकेट होतम सिंह खटाना ने बताया- 4 नवंबर 2015 को मैं और मेरा परिवार गांव जमालपुर में घर पर था। इस दौरान 2 गाड़ियों में कोबरा टीम और डीएसटी के साथ कंचनपुर थाना पुलिस गांव पहुंची। इस दौरान कंचनपुर के तत्कालीन SHO हरी सिंह मीणा भी साथ थे।

शिकायतकर्ता ने बताया- पुलिसकर्मियों ने मेरे भाई और ताई के साथ गाली-गलौज की और धक्का-मुक्की की। इसके साथ ही घर में रखा सामान तोड़कर लूटपाट की। मौके पर मौजूद साह्ब हरी सिंह मीणा ने उनको रोका और वापस भेज दिया।

मामले को लेकर कंचनपुर के तत्कालीन SHO हरी सिंह मीणा से शिकायत की और थाने में भी रिपोर्ट दी। धौलपुर जिले में कोबरा टीम एसपी के निर्देश पर काम करती है। ऐसे में थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। इस पर मैंने बाड़ी एसीजेएम-2 में परिवाद दायर दिया गया।

मामले में 21 मई को बाड़ी एसीजेएम-2 कोर्ट की मजिस्ट्रेट चित्राक्षी सिंह ने आदेश जारी करते हुए सभी 8 पुलिसकर्मियों को भगोड़ा घोषित किया और उनके खिलाफ स्थायी वांरट जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा- आरोपी पिछले 7 साल से कोर्ट में पेश नहीं हुए और न्यायिक प्रक्रिया से बचते रहे।

प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ का असर, गर्मी से राहत

कुछ हिस्सों में धूलभरी हवाएं चलने की संभावना

जयपुर

नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राजस्थान के तापमान में गिरावट दर्ज होने से आमजन को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली है। हालांकि मौसम विभाग ने आगामी दिनों में फिर से तापमान बढ़ने व हीटवेव चलने की संभावना जताई है। शुक्रवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान में कमी दर्ज की गई, लेकिन तेज धूप और गर्मी का असर बरकरार रहा।

शुक्रवार को प्रदेश के 25 शहरों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि चार शहरों में पारा 44 डिग्री

के पार रहा। चित्तौड़गढ़ 44.2 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि संगरिया में न्यूनतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश की सबसे गर्म रात रही। मौसम विभाग के अनुसार चित्तौड़गढ़ के अलावा फलौदी, बीकानेर और चूरू का अधिकतम तापमान भी 44 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया। वहीं संगरिया, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, जयपुर व अलवर में रात का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा।

जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आगामी 24 घंटों में प्रदेश के कुछ हिस्सों में 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से धूलभरी हवाएं चलने की संभावना है, जिससे तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है। उन्होंने कहा कि 24 मई से एक बार फिर तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है और राज्य के कुछ क्षेत्रों में हीटवेव तथा कहीं-कहीं तीव्र हीटवेव की स्थिति बन सकती है। उन्होंने बताया कि नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 23 मई को उत्तर-पश्चिमी और उत्तरी राजस्थान में दोपहर बाद मेघगर्जन और 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। शुक्रवार को प्रदेश में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा, जबकि कुछ स्थानों पर उष्ण रात्रि की स्थिति दर्ज की गई।

राजधानी जयपुर में दिनभर हल्की हवाएं चलने से तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई, लेकिन गर्मी का असर बना रहा। शहर का अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया।

नीट के भौतिक विज्ञान प्रश्न पत्रों के लीक मामले में एनटीए की विशेषज्ञ गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा के भौतिक विज्ञान के प्रश्न पत्रों के लीक के स्रोत के रूप में एक और प्रमुख आरोपित की पहचान की है। महाराष्ट्र के पुणे स्थित सेठ हीरालाल सर्राफ प्रशाला में कार्यरत मनीषा संजय हवलदार को सीबीआई ने गहन पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। वह नीट-यूजी 2026 परीक्षा प्रक्रिया में शामिल थीं और एनटीए की ओर से विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त की गई थीं। उनके पास भौतिक विज्ञान के प्रश्न पत्रों तक पूरी पहुंच थी।

सीबीआई के अनुसार अप्रैल 2026 के दौरान उन्होंने नीट-यूजी 2026 परीक्षा के भौतिक विज्ञान विषय से संबंधित कुछ प्रश्न सह-आरोपित मनीषा मंधारे (जिन्हें 16-05-2026 को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है) के साथ साझा किए थे। उनकी ओर से साझा किए प्रश्न नीट-यूजी 2026 परीक्षा के भौतिक विज्ञान के प्रश्न पत्रों से मेल खाते हैं। इस मामले में सीबीआई ने देशभर में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया व कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

एक्ट्रेस ट्विशा की डेडबॉडी का फिर से होगा पोस्टमॉर्टम

भोपाल

भोपाल की चर्चित एक्ट्रेस और मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत मामले में शुक्रवार को मध्यप्रदेश

हाईकोर्ट ने दोबारा पोस्टमार्टम दिल्ली एम्स की टीम से कराने के निर्देश दिए। दूसरी ओर राज्य सरकार ने सीबीआई को सौंपने के लिए सहमति दे दी है। एक अन्य घटनाक्रम में आरोपित पति ने हाईकोर्ट से अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस ले ली है।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान मृतका के पिता नवनिधि शर्मा की ओर से दोबारा पोस्टमार्टम की मांग पर सुनवाई हुई। परिवार का आरोप था पहली पोस्टमार्टम प्रक्रिया में कई महत्वपूर्ण पहलुओं की अनदेखी हुई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कोर्ट ने आदेश दिया कि दिल्ली एम्स के निदेशक विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम गठित करेंगे, जो भोपाल आकर ट्विशा शर्मा के शव का दोबारा पोस्टमार्टम करेगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नई पोस्टमार्टम रिपोर्ट सीधे सीलबंद लिफाफे में कोर्ट के समक्ष पेश की जाएगी। शव की स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने पुलिस और एम्स प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि शव को सुरक्षित रखा जाए, ताकि फॉरेंसिक साक्ष्य प्रभावित न हों। कोर्ट ने पोस्टमार्टम की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी और रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में पेश करने के निर्देश दिए।

सीबीआई जांच की मंजूरी

ट्विशा शर्मा केस में लगातार उठ रहे सवालों व निष्पक्ष जांच की मांग के बीच मध्यप्रदेश सरकार ने मामले की सीबीआई जांच के लिए सहमति दे दी। गृह विभाग ने जारी पत्र में कहा जांच अब केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जाएगी।

परिवार का आरोप- 'सबूत मिटाए जा रहे'

ट्विशा के पिता नवनिधि और चाचा लोकेश शर्मा ने पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पिता शर्मा ने आरोप लगाए हैं कि समर्थ जुलाई 2023 से अगस्त 2025 तक राज्य सरकार में लीगल एडवाइजर के तौर पर काम कर चुका है। वह फरारी के दौरान केस को प्रभावित कर रहा है।

राज्यसभा की 24 सीटों पर चुनाव और दो पर उपचुनाव की घोषणा

नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने जून-जुलाई में सेवानिवृत्त हो रहे राज्यसभा सदस्यों की 24 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव व महाराष्ट्र और तमिलनाडु की दो रिक्त सीटों पर उपचुनाव कराने की घोषणा की है। सभी सीटों के लिए मतदान 18 जून को होगा और उसी दिन नतीजे आयेंगे। चुनाव आयोग के अनुसार 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव होंगे। इन सीटों पर मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल जून और जुलाई में समाप्त हो रहा है। इसके साथ महाराष्ट्र और तमिलनाडु से राज्यसभा की एक-एक सीट रिक्त होने के कारण उपचुनाव भी कराए जाएंगे।

महाराष्ट्र की सीट सुनेत्रा अजित पवार के 6 मई को इस्तीफे व तमिलनाडु की सीट सी.वी. शनमुगम के 7 मई को इस्तीफे के बाद खाली हुई। इन दोनों सीटों का कार्यकाल क्रमशः 4 जुलाई 2028 और 29 जून 2028 था। आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक चुनाव की अधिसूचना 1 जून को जारी होगी।

गृह मंत्री शाह बोले- सरकार की अवैध घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति

पाकिस्तान-बांग्लादेश सीमा पर 'स्मार्ट बॉर्डर' सुरक्षा सिस्टम लागू होगा

ड्रोन, रडार, स्मार्ट कैमरे लगाए जाएंगे

हर अवैध घुसपैठिए को देश से बाहर निकालेंगे

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार अगले एक साल के भीतर पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी करीब 6000 किलोमीटर लंबी सीमा पर 'स्मार्ट बॉर्डर' सुरक्षा सिस्टम लागू करेगी। इसके तहत ड्रोन, रडार, स्मार्ट कैमरे और दूसरी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर सीमा की निगरानी मजबूत की जाएगी, ताकि घुसपैठ और तस्करी को पूरी तरह रोका जा सके।

दिल्ली में बीएसएफ के रुसतमजी मेमोरियल लेक्चर और बीएसएफ इन्वेस्टिचर सेरेमनी को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सरकार की अवैध घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति है। उन्होंने कहा कि देश में मौजूद हर अवैध घुसपैठिए की पहचान की जाएगी और उसे वापस भेजा जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि अवैध घुसपैठ केवल सीमा सुरक्षा का मुद्दा नहीं है। उन्होंने बीएसएफ जवानों से कहा कि वे इस कोशिश को सफल नहीं होने दें और सीमा सुरक्षा को और मजबूत करें। गृह मंत्रालय जल्द ही एक हाई-पावर डेमोग्राफी मिशन शुरू करेगा। इसका उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव से जुड़े मामलों की निगरानी और सुरक्षा एजेंसियों को सहयोग देना होगा।

एक साल में बनेगा मजबूत सुरक्षा ग्रिड

गृह मंत्री ने बताया कि अगले एक साल में सीमा पर एक मजबूत सुरक्षा ग्रिड तैयार किया जाएगा। स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट के तहत बीएसएफ को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। ड्रोन, रडार और एडवांस कैमरों की मदद से सीमा के संवेदनशील हिस्सों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाएगी।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ के गठन के 60वें वर्ष में इस परियोजना को लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जाएगा। इसका मकसद सीमा को अधिक सुरक्षित और घुसपैठ के लिए लगभग अभेद्य बनाना है।

शाह ने कहा कि घुसपैठ और पशु तस्करी के रास्तों को बंद करने के लिए बीएसएफ को अपनी सूचना व्यवस्था और मजबूत करनी होगी। उन्होंने जवानों से राज्य पुलिस, जिला प्रशासन और गांव स्तर के राजस्व अधिकारियों के साथ समन्वय बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा की सरकारों के सहयोग से सीमा सुरक्षा को और मजबूत किया जाएगा। गृह मंत्रालय जल्द ही इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर आगे की रणनीति तय करेगा।

किसी समस्या को सिर्फ नियंत्रित करना पर्याप्त नहीं है। उसे जड़ से खत्म करना ही वास्तविक सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश के कई हिस्सों में नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चलाया गया, उसी तरह घुसपैठ के खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- अभ्यर्थी के माता-पिता आईएएस हैं तो बच्चों को आरक्षण क्यों

क्रीमी लेयर पर सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सरकारी नौकरी में क्रीमी लेयर के कैंडिडेट के आरक्षण लेने पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा- अगर माता-पिता दोनों IAS अफसर हैं, तो उनके बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए? शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है। ऐसे में अगर संपन्न बच्चों के लिए फिर से आरक्षण मांगा जाए, तो हम कभी भी इस चक्र से बाहर नहीं निकल पाएंगे। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने ये कमेंट तब किया। जब वे कर्नाटक हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। याचिकाकर्ता को क्रीमी लेयर के आधार पर आरक्षण के दायरे से बाहर रखा गया था, क्योंकि उसके माता-पिता दोनों ही राज्य सरकार के कर्मचारी हैं।

यह मामला कर्नाटक में 'कुरुबा' समुदाय से जुड़े एक कैंडिडेट का है। कर्नाटक के पिछड़े वर्गों की सूची में इस समुदाय को 'श्रेणी II(A)' के तहत रखा गया है। उम्मीदवार यानी याचिकाकर्ता का 'कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड' में 'सहायक इंजीनियर' के पद पर सिलेक्शन हुआ था। उसकी आरक्षित कोटे के तहत नियुक्ति की गई थी।

हालांकि, 'जिला जाति और आय सत्यापन समिति' ने उम्मीदवार को 'जाति प्रमाण पत्र' देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह 'क्रीमी लेयर' के दायरे में आता है।

उम्मीदवार के परिवार की सालाना आमदनी लगभग 19.48 लाख रूपए आंकी गई थी। अधिकारियों ने पाया कि उसके माता-पिता दोनों ही सरकारी कर्मचारी हैं और उनकी कुल आमदनी, 'क्रीमी लेयर' के लिए तय की गई सीमा से ज्यादा है।

नियमों के अनुसार OBC आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' की मौजूदा आय सीमा सालाना 8 लाख रुपए है। यानी अगर किसी OBC परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपए से ज्यादा है, तो आमतौर पर उनके बच्चों को OBC आरक्षण का लाभ नहीं मिलता।

एअर इंडिया की फ्लाइट रनवे से टकराई

बंगलूरू (एजेंसी)। बंगलूरू हवाई अड्डे पर उतरते समय गुरूवार को एअर इंडिया के एक विमान में टेलस्ट्राइक की घटना हुई। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली से आ रहा विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और चालक दल और यात्री सामान्य रूप से विमान से उतर गए। दरअसल, टेकऑफ या लैंडिंग के दौरान जब विमान का पिछला हिस्सा रनवे के संपर्क में आता है, तब टेलस्ट्राइक की घटना होती है। टेलस्ट्राइक के बाद सभी विमानों की संरचनात्मक समस्याओं के लिए जांच की जाती है। फ्लाइट में 181 यात्री सवार थे। घटना में किसी यात्री या क्रू सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है। सूत्रों के अनुसार, लैंडिंग से ठीक पहले विमान 'वेक टर्बुलेंस' की चपेट में आ गया। इसके बाद पायलट ने नियमों के तहत 'गो-अराउंड' करने का फैसला लिया। पायलट ने लैंडिंग टाल दी और फ्लाइट वापस हवा में ले ली। इसी दौरान उसका पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया।

नीट लीक मामला : कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन : शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में गुरुवार को नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई, जिसमें पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलना पड़ा। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय से पैदल मार्च करते हुए शहीद स्मारक पहुंचे, जहां से वे बीजेपी मुख्यालय का घेराव करने की कोशिश कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान शहीद स्मारक पर कार्यकर्ताओं ने डोटासरा को कंधे पर उठा लिया। वहीं, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास पुलिस कमिश्नरेट के सामने सड़क पर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने विधायक मुकेश भाकर और पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी को धक्का देकर आगे बढ़ने से रोका, जबकि विधायक मनीष यादव को बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास करते हुए नीचे उतारा गया। डोटासरा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला कर उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की। उन्होंने प्रधान को चोर और धोखेबाज करार देकर कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर लोगों का विश्वास नहीं रहा है और एनटीए को भंग कर देना चाहिए। डोटासरा ने केंद्र सरकार पर जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाकर कहा कि 22 लाख छात्रों के भविष्य को देखते हुए नीट पेपर लीक मामले की जांच सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में सीबीआई से कराई जानी चाहिए, ताकि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो सके।

अमृतसर में घर में भीषण धमाका, दो महिलाएं झुलसीं

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर के अनगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह एक घर में हुए जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल गया। घटना के कारण घर में भीषण आग लग गई और चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, एक महिला की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है और दूसरी भी बुरी तरह घायल है। आशंका है कि एक महिला की मौत हो सकती है, हालांकि इसकी पुष्टि अस्पताल की रिपोर्ट के बाद होगी। बात दें कि धमाका इतना तेज था कि घर की छत में गहरी दरारें पड़ गईं और बाहर लगे शीशे भी टूटकर बिखर गए। आग बहुत तेजी से फैली, जिससे घर को भारी नुकसान पहुंचा। फायर ब्रिगेड को सुबह करीब 11:45 बजे कंट्रोल रूम से सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत गाड़ियां मौके के लिए रवाना की गईं। टीम जब पहुंची, तब स्थानीय लोग आग बुझाने में मदद कर रहे थे। फायर ब्रिगेड की टीमों ने लगभग 20 से 25 मिनट में आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग आग लगने के कारणों को लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। कुछ लोगों ने पटाखों या अन्य ज्वलनशील पदार्थों से धमाके जैसी आवाज सुनने का दावा किया है। हालांकि, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं और सभी कोणों से मामले की गहन जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी तक आग लगने का कोई अंतिम कारण सामने नहीं आया है और विस्तृत जांच के बाद ही सच्चाई का पता चलेगा। पुलिस मौके से सबूत जुटाकर उचित कानूनी कार्रवाई करेगी।

राजनीतिक फैसले और बीजेपी में जाने को लेकर की जा रही आलोचना

-हाईकोर्ट ने राघव की याचिका पर कहा- यह प्राइवेसी उल्लंघन का मामला नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जस्टिस सुब्रह्मण्यम प्रसाद की बेंच ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि राघव चड्ढा के व्यक्तिगत अधिकारों के उल्लंघन का मामला नहीं बनता। उनकी आलोचना उनके राजनीतिक फैसले को लेकर और बीजेपी में जाने को लेकर की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया जिसमें उनके खिलाफ अपमानजनक सामग्री हटाने की मांग की गई थी।

हाईकोर्ट ने कहा कि व्यक्तित्व अधिकारों का कमर्शियल इस्तेमाल और आलोचना करने में अंतर है। हाईकोर्ट ने राघव चड्ढा से कहा कि आपके राजनीतिक फैसले और बीजेपी में जाने की आलोचना हो रही है। प्रथम दृष्टया इसमें व्यक्तित्व अधिकारों के उल्लंघन का मामला नहीं बनता। कोर्ट ने कहा निस्संदेह आज़ादी के समय से ही हम आरके लक्ष्मण के कार्टून देखते आए हैं। उस दौर में शायद सोशल मीडिया इतना प्रभावशाली नहीं था, जितना आज है। बता दें राघव चड्ढा की याचिका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित एआई-जनरेटेड डीपफेक, छेड़छाड़ वाले वीडियो, फैब्रिकेटेड भाषण और भ्रामक सामग्री को हटाने की मांग की गई है। कोर्ट ने राघव चड्ढा से कहा है कि ऐसे मामलों में मानहानि का केस दर्ज किया जा सकता है। पार्टी बदलना एक सार्वजनिक फैसला है, व्यक्तिगत नहीं। कोर्ट ने एआई से बने वीडियो पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर इन वीडियो पर आपत्ति है, तो विशेष याचिका दाखिल करें। व्यापक रूप से रोक लगाने की मांग नहीं की जा सकती।

गोहत्या के खिलाफ आंदोलन चला रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने किया ऐलान

शंकराचार्य गो-एलएक्स पर गाय खरीदेंगे और बेचेंगे

वाराणसी (एजेंसी)। गोहत्या के खिलाफ आंदोलन चला रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब गायों की ऑनलाइन खरीद-फरोख्त का ऐलान किया है। शंकराचार्य ने गो-एलएक्स नाम से एक वेबसाइट शुरू करने का फैसला किया है, जिसके माध्यम से गायों की खरीद की जाएगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हम एक वेबसाइट बनवा रहे हैं। इस वेबसाइट के जरिए हम गायों को खरीदेंगे। जो पशुपालक या व्यापारी अपनी गाय बेचना चाहता है, वह वेबसाइट पर विज्ञापन दे सकता है। अगर कोई हिंदू अपनी गाय बेचना चाहता है, तो मुझे बेचे। हम खरीदने के लिए तैयार हैं। हम गायों को कटने नहीं देंगे और किसी गोहत्यारे को गाय खरीदने नहीं देंगे।

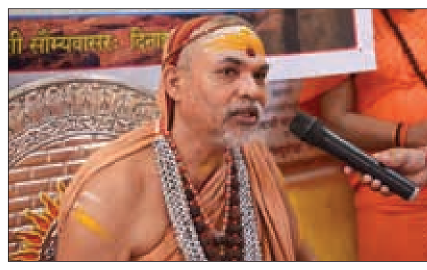

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार को एक वीडियो जारी किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि हम गायों को खरीदकर उनकी सेवा करेंगे। हिंदुओं के कहने पर ही अपने वेबसाइट बनाई है। हमने इसका नाम गो-एलएक्स रखा है। लोग अपनी गाय यहां बेच सकते हैं। गो संरक्षण को समर्पित लोग भी उन गायों को खरीदकर सेवा कर सकेंगे। गायों को ऑनलाइन खरीदने का फैसला लेने की वजह बताते हुए शंकराचार्य ने कहा कि सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों से यह नैरेटिव फैलाया जा रहा कि यदि मुसलमान गाय खरीदना बंद कर देंगे या गो मांस खाना छोड़ देंगे तो हिंदू पशुपालक आर्थिक संकट में आ जाएंगे।

गो-एलएक्स का मकसद, गायों को कटने से बचाना है

शंकराचार्य ने कहा कि गो-एलएक्स मंच का उद्देश्य किसी भी परिस्थिति में गाय को कत्लखाने जाने से रोकना है। यह मंच ओएलएक्स की तर्ज पर कार्य करेगा। जहां गाय बेचने की इच्छा रखने वाले लोग संपर्क कर सकेंगे। गो सेवक और गो भक्त गायों को संरक्षण के लिए खरीद सकेंगे। उन्होंने कहा कि वह ऐसी गायों को खरीदेंगे जो दूध देना बंद कर दी हैं या जिनको कसाई को बेचा जा रहा। पशुपालक उन गायों को हमारी वेबसाइट पर सीधे बेच सकेंगे और हम उसकी खरीदी करेंगे। कोई भी सच्चा हिंदू अपनी गाय को कटने के लिए नहीं बेच सकता। यदि किसी व्यक्ति में वास्तविक हिंदुत्व है, तो वह कभी भी गाय को कसाई के हाथों में नहीं सौंपेगा।

मुस्लिम समाज भी गोहत्या बंदी के समर्थन में...

शंकराचार्य ने कहा कि भारत में गो हत्या बंदी के समर्थन में मुस्लिम समाज भी है। मुस्लिम समाज के काफी लोग साथ हैं। उन्होंने यह स्वीकार किया है कि इस्लाम में गो मांस खाना कोई अनिवार्य धार्मिक कर्तव्य नहीं है। हम ऐसे लोगों का स्वागत करते हैं। यदि देश में गोहत्या और गोमांस भक्षण बंद होता है, तो इससे सामाजिक सौहार्द और आपसी सद्भाव को बल मिलेगा।

इबोला वायरस को लेकर भारत सरकार ने किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अफ्रीका में फैले इबोला वायरस को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में फैले इबोला को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किए जाने के बाद भारत सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीएचएस ने सभी इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स को एडवाइजरी भेजी है खासकर उन यात्रियों के लिए जो डीआर कांगो, युगांडा और साउथ सूडान जैसे हाई रिस्क देशों से आ रहे हैं। एडवाइजरी में कहा है कि अगर किसी यात्री में बुखार, सिरदर्द, कमजोरी, उल्टी-दस्त, गले में खराश या खून बहने जैसे लक्षण हैं तो उसे इमिग्रेशन से पहले ही एयरपोर्ट हेल्थ ऑफिसर को रिपोर्ट करना होगा।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत में फिलहाल इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और देश के लिए वर्तमान खतरा बेहद कम है। हालांकि सावधानी के तौर पर निगरानी और तैयारियों को और मजबूत किया जा रहा है। एडवाइजरी में ये भी कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति संक्रमित मरीज के खून या बॉडी फ्लूइड के संपर्क में आया है तो उस पर भी नजर रखी जाएगी। सरकार ने साफ किया है कि भारत आने के बाद 21 दिनों के अंदर अगर लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और अपनी ट्रैवल हिस्ट्री बताएं। बता दें एयरपोर्ट हेल्थ ऑर्गनाइजेशन इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहा है। इबोला एक बेहद खतरनाक बीमारी है इसलिए केंद्र सरकार ने यात्रियों से हेल्थ स्क्रीनिंग में पूरा सहयोग करने की अपील की है।

उत्तर भारत में सूरज उगल रहा आग, यूपी के बांदा में पारा 48 पर पहुंचा

-भारत के बड़े हिस्से में 40 से 47 के बीच तापमान बना रहने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तर भारत में भीषण गर्मी जारी है। उत्तर भारत आग की भट्ठी में तब्दील हो गया है। कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री से पार है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। लू की तेज हवाएं तेज धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को देश के करीब 50फीसदी हिस्से में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। यूपी, मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, विदर्भ और ओडिशा जैसे राज्यों में भारी गर्मी पड़ रही है। यूपी के बांदा में सबसे ज्यादा तापमान 48.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पूरे देश में सबसे ज्यादा है।

वहीं सबसे ज्यादा गर्मी यूपी, मध्य प्रदेश और विदर्भ (महाराष्ट्र) के इलाकों में पड़ रही है। बांदा, खजुराहो, वर्धा, रोहतक और नागपुर जैसे शहर इस समय सूरज की तपिश में जल रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मई के अंत तक गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। उत्तर-पश्चिम भारत, पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के बड़े हिस्से में 40 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान बना रहने की संभावना है। लू की स्थिति भी जारी रहेगी। इस भीषण गर्मी में दिन के समय बाहर निकलना मुश्किल है। खेतों में काम करने वाले किसान, मजदूर और सड़क पर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर में बाहर न निकलने, खूब पानी पीने, ओआरएस लेने और हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनने की सलाह दी है। सरकार और प्रशासन भी हाई अलर्ट पर हैं। स्कूलों के समय में बदलाव, पशुओं के लिए छाया और पानी की व्यवस्था जैसी तैयारियां की जा रही हैं। उत्तर भारत इस समय वाकई आग की भट्ठी बना है। अगले कुछ दिनों में अगर कोई ठंडी हवा या प्री-मानसून की बारिश नहीं हुई तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

गिरिराज सिंह का राहुल गांधी पर तीखा पलटवार: कांग्रेस अब माओवादी, मुस्लिम पार्टी

खुद भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हुए हैं और जमानत पर बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की है। राहुल गांधी पर तीखा पलटवार कर उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब वह पार्टी नहीं रही, बल्कि एक माओवादी, मुस्लिम कांग्रेस में बदल गई है। यह बयान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले दिया।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने स्पष्ट किया कि मंत्रिपरिषद की यह बैठक पहले से ही तय थी और इस राहुल गांधी के बयानों के जवाब में नहीं बुलाया गया था, क्योंकि मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित रूप से होती रहती हैं। कांग्रेस नेता पर सीधा हमला कर केंद्रीय मंत्री सिंह ने दावा किया कि देश में राहुल गांधी की पकड़ कमजोर हो गई है और कांग्रेस का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर प्रधानमंत्री मोदी को बार-बार अपशब्द कहने का

आरोप लगाया, लेकिन कहा कि इन तमाम गालियों के बावजूद देश की जनता आज भी प्रधानमंत्री मोदी को पसंद करती है। राहुल गांधी पर व्यक्तिगत रूप से निशाना साधकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि वे खुद भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हुए हैं और जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए जिस भाषा का राहुल गांधी ने इस्तेमाल किया है, वह किसी विपक्ष के नेता के लिए कतई उपयुक्त नहीं है।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने राष्ट्रीय संकटों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व का बचाव किया, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर संकट में देश के साथ मजबूती से खड़े रहे हैं और आगे भी ऐसा ही होगा। गिरिराज सिंह की यह तीखी प्रतिक्रिया राहुल गांधी द्वारा एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करने के बाद आई है। राहुल गांधी ने चेतावनी दी थी कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की अशांति के कारण भारत पर आर्थिक तूफान आने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री देश को इसतरह के संकट के लिए तैयार करने में विफल रहे हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी की इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ हुई मुलाकात पर कटाक्ष कर कहा था कि प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ टॉफियां खा रहे थे और वीडियो बना रहे थे, जबकि देश पर संकट मंडरा रहा था।

अमरनाथ यात्रा : 3.6 लाख से अधिक पंजीकरण, दुर्गम रास्तों पर तैयारियां तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। अब तक 3.6 लाख से अधिक भक्त अपना पंजीकरण करा चुके हैं, और प्रशासनिक अधिकारियों को उम्मीद है कि यह संख्या 5 लाख के आंकड़े को छू सकती है। 57 दिवसीय यात्रा 3 जुलाई को शुरू होकर 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन समाप्त होगी। इस यात्रा के दोनों मार्गों बालटाल-सोनमर्ग और नुनवान-पहलगाम पर अभी भी कई स्थानों पर 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी हुई है। हालांकि, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) इन दुर्गम रास्तों को बहाल करने में तेजी से जुटा है। बीआरओ के अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक दोनों मार्ग यात्रा के लिए पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे। रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हुए थे और अब पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक की निर्धारित शाखाओं के माध्यम से व्यक्तिगत या छोटे समूहों के लिए जारी हैं, जबकि 5 से 30 लोगों के समूह के लिए पंजीकरण बुधवार को बंद हो गए। इस साल श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। बेस कैंप में पारंपरिक टेंट की जगह अब प्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर तैयार किए जा रहे हैं।

सांसद सायोनी घोष का सिर कलम करने पर एक करोड़ का रखा ईनाम

- बाद में धमकाने वाले भाजपा नेता ने खेद जताया

सिकंदराबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल से टीएमसी सांसद सायोनी घोष का सिर कलम करने वाले को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा करने वाले उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता और सिकंदराबाद नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. प्रदीप दीक्षित अब अपने बयान से बैकफुट पर आ गए हैं। सोशल मीडिया पर विवादित वीडियो वायरल होने और चौतरफा घिरने के बाद उन्होंने बुधवार शाम एक नया वीडियो जारी कर अपने बयान पर खेद व्यक्त किया है।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बुलंदशहर के सिकंदराबाद में करीब पांच दिन पहले आयोजित एक धर्म ध्वज यात्रा के दौरान डॉ. प्रदीप दीक्षित ने यह भड़काऊ बयान दिया था। वीडियो सामने आने के बाद राजनीति गर्मा गई। टीएमसी सांसद सायोनी घोष ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने इसे एक महिला जनप्रतिनिधि को दी गई खुली धमकी करार दिया। सायोनी घोष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी को टैग करते हुए स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल और कोलकाता पुलिस से इस मामले में तत्काल कड़ी कार्रवाई की अपील करते हुए कहा कि वह ऐसी धमकियों से डरने वाली नहीं हैं और लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाती रहेंगी। दरअसल, यह पूरा विवाद साल 2015 की एक पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट (शिवलिंग पर कथित कार्टून) से जुड़ा है। सायोनी घोष ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह पोस्ट उन्होंने नहीं की थी और उस समय वह महज 22 वर्ष की थीं। वह इस विषय पर पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुकी हैं और सभी धर्मों का सम्मान करती हैं।

भाजपा नेता ने दी सफाई

सांसद सायोनी घोष के कड़े रुख और पुलिस कार्रवाई की मांग के बाद भाजपा नेता डॉ. प्रदीप दीक्षित ने बैकफुट पर आते हुए बुधवार शाम एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि सायोनी घोष उस पुरानी विवादित तस्वीर को लेकर पहले ही खेद जता चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह की हिंसा के समर्थक नहीं हैं। उन्होंने अपने बयान पर खेद जताते हुए लोगों से अपील की कि न तो किसी को हिंसा की बात करने का अधिकार है और न ही किसी की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का।

बंगाल के मदरसों में गाना पड़ेगा वंदे मातरम

-शुभेंदु सरकार ने जारी किए आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के सभी मदरसों में 'वंदे मातरम्' गाना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में मदरसा शिक्षा निदेशालय की तरफ से आदेश जारी कर दिया गया है। जारी किए गए आधिकारिक आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि पहले के सभी निर्देशों और प्रथाओं को निरस्त करते हुए अब राज्य के मदरसों में दैनिक कक्षाएं शुरू होने से पहले होने वाली सुबह की प्रार्थना में 'वंदे मातरम्' गाना बेहद जरूरी होगा।

यह नया नियम राज्य के सभी सरकारी मॉडल मदरसों (इंग्लिश मीडियम), मान्यता प्राप्त सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों, अप्रूव्ड एमएसके, अप्रूव्ड एसएसके और मान्यता प्राप्त गैर-सहायता प्राप्त मदरसों पर समान रूप से लागू होगा। सरकार ने निर्देश दिया है कि इस आदेश को तत्काल प्रभाव से पूरे राज्य में सख्ती से लागू किया जाए। मदरसा शिक्षा निदेशक की तरफ से इस आदेश की प्रतिलिपि सभी जिलाधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारियों, पश्चिम बंगाल

बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन और अन्य संबंधित विभागों को अनुपालन के लिए भेज दी गई है। आदेश में बताया गया है कि इसे सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद ही जारी किया गया है। पश्चिम बंगाल सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब हाल ही में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन के बराबर का दर्जा देने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस फैसले का मुख्य उद्देश्य वंदे मातरम् को भी उसी कानूनी दायरे में लाना है, जिसके तहत अभी राष्ट्रगान को सुरक्षा और सम्मान मिला हुआ है। इस नए प्रस्तावित संशोधन के लागू होने के बाद, देश में वंदे मातरम गाए जाने के दौरान किसी भी तरह का अपमान करना या उसमें बाधा डालना एक संज्ञेय अपराध की श्रेणी में माना जाएगा। मौजूदा कानूनी नियमों के तहत, यदि कोई व्यक्ति जान-बूझकर राष्ट्रगान गाने से रोकता है या उसमें किसी प्रकार का व्यवधान पैदा करता है, तो उसे 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों भुगतने पड़ सकते हैं। वहीं, बार-बार इस अपराध को दोहराने वालों के लिए कम से कम एक साल की अनिवार्य जेल का प्रावधान है। अब यही कड़े कानूनी प्रावधान और सजा वंदे मातरम् के अपमान पर भी लागू होंगे।

ट्रेनों में हो रही लगातार आग की घटनाएं किसी साजिश का हिस्सा हैं?

-रेलवे ने किया खुलासा, असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की ओर किया इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने हाल के दिनों में ट्रेनों में अचानक आग लगने की घटनाओं को लेकर खुलासा किया है। रेलवे ने बुधवार को इन हादसों को महज इत्तेफाक या तकनीकी खराबी मानने के बजाय, इसके पीछे साजिश की आशंका जताई है। आधिकारिक बयान में स्पष्ट किया गया है कि अब तक हुई जांच के नतीजे असामाजिक तत्वों की संलिप्तता की ओर साफ इशारा कर रहे हैं। इस खुलासे के बाद सुरक्षा एजेंसियों और रेलवे में हड़कंप मच गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे प्रशासन ने खासतौर पर चार अलग-अलग जगहों पर हुई घटनाओं का जिक्र किया है, जिन्होंने सुरक्षा तंत्र की नींद उड़ा दी है। इनमें राजस्थान के अमरपुरा और कोटा में सामने आई घटनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, बिहार के सासाराम और पश्चिम बंगाल के हावड़ा में भी ट्रेनों में भड़की आग ने इस शक को और पुख्ता कर दिया है कि इसके पीछे कोई साजिश हो सकती है। रेलवे का कहना है कि इन सभी घटनाओं को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अमरपुरा में जहां ट्रेन के बेडरोल में आग लगाने की कोशिश की गई, वहीं हावड़ा की घटना में तो कोच के बाथरूम से पेट्रोल से सना हुआ एक कपड़ा बरामद हुआ है, जिसने साजिश के शक को और पुख्ता कर दिया है। इसी तरह कोटा में राजधानी एक्सप्रेस के बाथरूम से लपटें उठती देखी गईं। वहीं, बिहार के सासाराम स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर खड़ी सासाराम-पटना पैसेंजर ट्रेन के एक खाली कोच में किसी अज्ञात शख्स ने कोई जलती हुई चीज फेंक दी। हालांकि, शुरुआती जांच में सासाराम की घटना के पीछे शॉर्ट सर्किट का अंदेशा जताया गया था, लेकिन अब इसमें भी तोड़फोड़ का एंगल सामने आ रहा है। लगातार हो रही इन घटनाओं के बाद रेलवे प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है। मामलों की तह तक जाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आरपीएफ की स्पेशल टीमें हर मामले की हर एंगल से बारीकी से जांच कर रही हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि देश की जीवनरेखा माने जाने वाले रेलवे नेटवर्क को निशाना बनाने के पीछे किन लोगों का हाथ है। इन घटनाओं के मद्देनजर रेलवे ने यात्रियों से भी अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है। रेलवे ने एडवाइजरी जारी कर कहा कि सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अलर्ट और सुरक्षित रहें। अगर आपको ट्रेन या स्टेशन पर कोई भी संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो बिना कोई देर किए तुरंत रेलवे के हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर सूचना दें।

चम्बल अभयारण्य में बजरी माफिया पर राजस्थान पुलिस का पहले से ही कड़ा प्रहार; धौलपुर-करौली में गत दो वर्ष में 392 मुकदमे दर्ज

वर्ष 2025 के प्रारम्भ से ही पुलिस चला रही है जीरो टॉलरेंस अभियान; माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद कार्रवाई में आई और तेजी

स्मार्ट हलचल|जयपुर

राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य क्षेत्र में अवैध रेत/बजरी के खनन, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के लिए महानिदेशक पुलिस राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस द्वारा वर्ष 2025 के प्रारम्भ से ही लगातार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी निरंतर कार्रवाई के बीच माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुओ मोटो सिविल रिट में गत 17 अप्रैल 2026 को जारी किए गए निर्देशों की पालना में अब इस अभियान को और अधिक व्यापक व गति प्रदान की गई है। पुलिस मुख्यालय की अपराध शाखा के विशेष पर्यवेक्षण में जिला धौलपुर और जिला करौली पुलिस द्वारा संयुक्त व प्रभावी समन्वय स्थापित कर चम्बल नदी के प्रभावित तटीय क्षेत्रों में रेत के अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई को लगातार जारी रखा गया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक(कानून एवं व्यवस्था) श्री वी.के.सिंह ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा पूर्व से ही संचालित इन कार्यवाहियों के तहत वर्ष 2025 के प्रारम्भ से लेकर माह अप्रैल 2026 तक की अवधि में दोनों जिलों में रिकॉर्ड 392 आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं। पुलिस अनुसंधान की त्वरित गति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दर्ज किए गए इन कुल मुकदमों में से 342 प्रकरणों में पुलिस द्वारा गहन तफ्तीश पूर्ण कर माननीय न्यायालयों के समक्ष आरोप पत्र भी पहले ही प्रस्तुत किए जा चुके हैं, जबकि शेष मामलों में तफ्तीश तेजी से जारी है।

श्री सिंह ने बताया कि बजरी माफिया के संगठित तंत्र को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए पुलिस ने पूर्व से ही एक मजबूत रणनीति अपनाई है, जिसके तहत केवल ट्रैक्टर चालकों को पकड़ने के बजाय वाहनों के पंजीकृत मालिकों को भी सह-आरोपी बनाया जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक दर्ज मुकदमों में से कुल 195 ऐसे मामले हैं जिनमें अवैध बजरी परिवहन में लिप्त वाहनों के चालकों के साथ-साथ उनके वास्तविक मालिकों को भी चिन्हित कर सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। पुलिस द्वारा तैयार की गई अपराधियों की कुंडली में यह भी सामने आया है कि वर्ष 2024 से लेकर अब तक गिरफ्तार किए गए अपराधियों में से 70 ऐसे शातिर रिपीट ऑफेन्डर्स (आदतन अपराधी) हैं, जो एक से अधिक बार इस अवैध धंधे में शामिल पाए गए हैं।

अवैध बजरी खनन के विरुद्ध धौलपुर जिले की विशेष उपलब्धियां

धौलपुर जिला पुलिस द्वारा राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य क्षेत्र में बजरी माफियाओं के खिलाफ बड़ी और प्रभावी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जिला एसपी विकास सांगवान के अनुसार चंबल नदी से होने वाले अवैध बजरी खनन, निर्गमन और परिवहन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए धौलपुर पुलिस ने वर्ष 2025 के प्रारंभ से लेकर अप्रैल 2026 तक की अवधि में रिकॉर्ड 353 आपराधिक मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें से वर्ष 2025 में 250 मुकदमे और वर्ष 2026 में अप्रैल माह तक 103 मुकदमे दर्ज किए गए।

दर्ज किए गए इन मामलों में त्वरित विधिक पैरवी सुनिश्चित करते हुए धौलपुर जिला पुलिस ने कुल 306 मामलों में न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र पेश कर दिया है। इसमें वर्ष 2025 के दर्ज मुकदमों में से 236 मामलों में और वर्ष 2026 के मुकदमों में से 70 मामलों में चालान पेश किया जा चुका है। इसके अलावा केवल 11 मामलों में एफआर लगाई गई है, जबकि 36 मामले वर्तमान में जांच के अधीन हैं।

बजरी तस्करों के संगठित नेटवर्क को तोड़ने के लिए धौलपुर पुलिस ने कड़ा रुख अपनाते हुए कुल 187 ऐसे मामलों को पकड़ा है जिनमें ट्रैक्टर चालक और वाहन मालिक दोनों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अतिरिक्त पिछले 3 वर्षों के रिकॉर्ड खंगालने पर धौलपुर जिले में कुल 68 रिपीट ऑफेन्डर्स चिन्हित किए गए हैं, जो बार-बार बजरी के अवैध कारोबार में लिप्त पाए गए।

धौलपुर जिला पुलिस ने न केवल तस्करों को जेल भेजा है, बल्कि उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के सबसे कड़े कानूनी प्रावधानों के तहत आर्थिक चोट भी पहुंचाई है। धौलपुर पुलिस द्वारा अब तक कुल 37 गंभीर प्रकरणों में संगठित अपराध से जुड़ी धारा 112 (2) बीएनएस जोड़ी जा चुकी है, जिसमें वर्ष 2025 के 17 मामले और वर्ष 2026 के 20 मामले शामिल हैं।

इसके अलावा अपराधियों की अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क करने के लिए धौलपुर पुलिस द्वारा धारा 107 बीएनएस के अंतर्गत संबंधित न्यायालयों में 3 इस्तगासे प्रस्तुत किए गए। इनमें से माननीय न्यायालय द्वारा 01 मामले में कुर्की का आदेश भी जारी किया जा चुका है, जबकि 01 मामले में नोटिस जारी हुआ है।

करौली जिला पुलिस की विशेष उपलब्धियां

करौली जिला पुलिस द्वारा राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य क्षेत्र को बचाने और अवैध बजरी खनन, भंडारण व निर्गमन को रोकने के लिए पिछले वर्षों में बेहद प्रभावी कार्रवाई की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल द्वारा प्रस्तुत आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 से लेकर मई 2026 तक करौली जिले में कुल 76 आपराधिक मुकदमे दर्ज कर 72 मामलों में न्यायालय के समक्ष चालान पेश किया जा चुका है। केवल 04 मामले वर्तमान में पुलिस अनुसंधान में चल रहे हैं।

बजरी माफिया के नेटवर्क पर प्रहार करते हुए करौली पुलिस ने अब तक कुल 44 वाहन मालिकों और 80 चालकों कुल 124 मुल्जिम को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचाया है। इन बड़ी कार्यवाहियों के दौरान करौली जिला पुलिस ने चंबल नदी क्षेत्र से अवैध रूप से परिवहन की जा रही कुल 361 टन बजरी को जब्त करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में 122 टन, वर्ष 2024 में 64 टन, वर्ष 2025 में 114 टन और वर्ष 2026 में अब तक 61 टन अवैध बजरी जब्त की गई है। इसके साथ ही बजरी के अवैध खनन और परिवहन में प्रयुक्त किए जा रहे माफियाओं के कुल 102 वाहनों को पुलिस द्वारा जप्त किया गया है।

बजरी स्टॉक करने वालों पर भी कार्रवाई

इसके साथ ही पुलिस की टीम चम्बल बजरी के स्टॉकों को जेसीबी के माध्यम से खुर्द-बुर्द करवा रही है एवं अवैध स्टॉक करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

समझाइश भी की जा रही

पुलिस प्रतिबंधित चम्बल बजरी खनन व परिवहन की रोकथाम में धरपकड़ में लगातार जुटी हुई है और ग्रामीण क्षेत्रों एवं चम्बल किनारे बसे गांवों में आमजन को समझाइश कि जा रही है कि प्रतिबंधित चम्बल बजरी खनन एवं परिवहन में किसी भी प्रकार की संलिप्तता कानूनन अपराध है। आमजन को बताया जा रहा है कि ऐसे कार्यों में प्रयुक्त वाहनों एवं मशीनों के विरुद्ध अब कठोर कार्रवाई की जाएगी। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की पालना में प्रतिबंधित चम्बल बजरी खनन एवं परिवहन में प्रयुक्त वाहनों व मशीनों को संबंधित विभाग द्वारा अब केवल जुर्माना लगाकर रिलीज नहीं किया जा सकेगा। ऐसे मामलों में वाहनों की जब्ती, रजिस्ट्रेशन निरस्तीकरण एवं राजसात की कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे प्रतिबंधित बजरी खनन एवं परिवहन से दूर रहें तथा किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस को अवगत कराएं, जिससे चम्बल क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

केकड़ी में चर्चित हत्याकांड का फैसला

आरोपी को आजीवन कारावास, एक लाख रुपये का जुर्माना

स्मार्ट हलचल| मेहरू कलां/केकड़ी

लंबे समय से चर्चा में रहे हत्याकांड प्रकरण में न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषी करार दिया है। अदालत ने रामावतार पुत्र रामेश्वर रेगर, निवासी रेगर मोहल्ला, भैरू गेट, केकड़ी (जिला अजमेर) को हत्या के अपराध में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

यह फैसला लोक अभियोजक महेंद्र कुमार जोशी की प्रभावी पैरवी के बाद आया। न्यायालय ने मामले में दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुना तथा प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का गहन परीक्षण किया। इसके पश्चात 21 पृष्ठों का विस्तृत निर्णय जारी करते हुए आरोपी को दोषी ठहराया गया।

अदालत ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य मजबूत और विश्वसनीय हैं, जो घटना की परिस्थितियों और आरोपी की संलिप्तता को प्रमाणित करते हैं। गवाहों के बयानों को भी न्यायालय ने भरोसेमंद मानते हुए सजा निर्धारण में महत्वपूर्ण आधार बनाया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने कठोर रुख अपनाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई, ताकि समाज में अपराध के प्रति स्पष्ट संदेश जाए। साथ ही एक लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान भी किया गया है। निर्णय के बाद क्षेत्र में मामले को लेकर चर्चा का माहौल है। लंबे समय से विचाराधीन इस प्रकरण में आए फैसले को न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। इस निर्णय से पीड़ित पक्ष को न्याय मिला है और कानून के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

टोल कर्मियों की गुंडागर्दी: केबिन खाली छोड़ मोबाइल पर बात करता रहा टोलकर्मी, पांच मिनट इंतजार के बाद हॉर्न बजाया तो शुरू की मारपीट

ट्रेलर चालक ने मारपीट और अभद्रता की दी रिपोर्ट

स्मार्ट हलचल

मांडल। थाना क्षेत्र स्थित जीवलिया टोल प्लाजा पर ट्रेलर चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। चालक ने टोलकर्मियों पर अभद्रता, गाली-गलौज और मारपीट का आरोप लगाते हुए मांडल थाने में शिकायत दी है। मसूदा निवासी देवकिशन पुत्र नारायणलाल गुर्जर ने शिकायत में बताया कि वह जोधपुर-निम्बाहेड़ा मार्ग पर ट्रेलर से माल परिवहन का कार्य करता है। गुरुवार को वह ट्रेलर लेकर जीवलिया टोल प्लाजा पहुंचा, जहां उसकी लाइन के केबिन में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। आरोप है कि एक टोलकर्मी मोबाइल फोन पर बात करने में व्यस्त था, जिससे करीब पांच मिनट तक ट्रेलर लाइन में खड़ा रहा और टोल गेट नहीं खुला।

चालक के अनुसार काफी देर इंतजार के बाद उसने हॉर्न बजाया तो टोलकर्मी गाली-गलौज करते हुए वहां पहुंचा और ट्रेलर को दूसरी लाइन में लगाने के लिए कहा। चालक ने ट्रेलर लंबा होने के कारण पीछे लेना संभव नहीं होने की बात कहते हुए टोल काटने का आग्रह किया। आरोप है कि इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और टोलकर्मी ने चालक को नीचे उतरने के लिए कहा। नीचे उतरते ही उसके साथ मारपीट शुरू कर दी गई। बाद में अन्य टोलकर्मी भी वहां पहुंच गए और सभी ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। पीड़ित चालक ने प्राथमिक उपचार कराने के बाद मांडल थाने में लिखित शिकायत देकर संबंधित टोलकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के नियमों में टोल प्लाजा पर वाहनों की सुचारु आवाजाही बनाए रखने और निर्धारित समय में टोल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश हैं। ऐसे में चालक ने टोल संचालन में लापरवाही और कर्मचारियों के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं।

बकरियां चराने गया 14 वर्षीय किशोर फार्म पॉण्ड में डूबा

ग्रामीणों ने बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

स्मार्ट हलचल

फुलिया कलां। थाना क्षेत्र के शिवपुरा (हुक्मपुरा) का खेड़ा गांव में गुरुवार को दर्दनाक हादसा हो गया। गांव निवासी 14 वर्षीय किशोर राजू पुत्र महावीर भील की फार्म पॉण्ड में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर फैल गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजू पुत्र महावीर भील गुरुवार सुबह करीब 10 बजे गांव के ही विकास पुत्र बाबूलाल भील के साथ बकरियां चराने खेत पर गया था। दोनों खेतों में बकरियां चरा रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 2 बजे विकास ने परिजनों को सूचना दी कि पैर फिसलने से राजू खेत में बने फार्म पॉण्ड के पानी में गिर गया और डूब गया।

सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और परिजनों ने मशक्कत कर राजू को फार्म पॉण्ड से बाहर निकाला और तत्काल फुलिया कलां अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही सणगारी सरपंच भागचंद चाड़ा भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया।

घटना की सूचना पर फुलिया कलां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। घटना की रिपोर्ट मृतक किशोर के अंकल रामकिशन ने पुलिस को दी, जिसके आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

इस दर्दनाक हादसे के बाद ग्रामीणों ने खेतों में बने गहरे फार्म पॉण्ड के आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

राजनीति का शिकार! पंडेर पंचायत प्रशासक ममता जाट दूसरी बार निलंबित, उपसरपंच शंकर लाल गुर्जर को मिला चार्ज

स्मार्ट हलचल|पंडेर (जहाजपुर)

उपतहसील मुख्यालय क्षेत्र की ग्राम पंचायत पंडेर की निवर्तमान सरपंच एवं प्रशासक ममता जाट को उनके कार्यकाल में दूसरी बार निलंबित कर दिया गया है। पंचायतीराज विभाग के आदेश के बाद शुक्रवार को उनके स्थान पर उपसरपंच शंकर लाल गुर्जर को एक बार फिर से पंचायत का प्रशासक नियुक्त किया गया है। ममता जाट ने इस पूरी कार्रवाई को राजनीतिक द्वेष और स्थानीय विधायक की साजिश करार दिया है।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी जारी रही खींचतान

जानकारी के अनुसार, नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने के आरोप में पंचायत राज विभाग ने पहली बार 7 मई 2025 को प्रशासक ममता जाट को निलंबित किया था। इस निलंबन के खिलाफ उन्होंने राजस्थान उच्च न्यायालय (जोधपुर) में अपील की थी। कोर्ट ने 4 जुलाई 2025 को निलंबन पर स्थगन आदेश दे दिया था।

आरोप है कि पंचायत राज विभाग (जयपुर) ने करीब 7 महीने तक हाईकोर्ट के आदेश की पालना नहीं की। इसके बाद ममता जाट ने कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की। न्यायालय द्वारा अवमानना का नोटिस जारी होते ही विभाग हरकत में आया और 4 फरवरी 2026 को ममता जाट को वापस प्रशासक का पदभार सौंप दिया गया।

पुनः पदभार ग्रहण करते ही पंचायत के ताले लटके, एसएसओ आईडी की गई बंद

ममता जाट का आरोप है कि जब से उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश पर दोबारा प्रशासक का पदभार ग्रहण किया, तब से जहाजपुर पंचायत समिति द्वारा ग्राम पंचायत की एसओ आईडी बंद कर दी गई। विभागीय असहयोग का आलम यह रहा कि एक भी दिन ग्राम विकास अधिकारी को पंचायत कार्यालय नहीं भेजा गया और पंचायत भवन के ताले लटके रहे, जिससे विकास कार्य पूरी तरह ठप हो गए।

अब ऐसे हुई दूसरी बार कार्रवाई

उसी पुराने नियम विरुद्ध पट्टा प्रकरण की शिकायत पर पंचायतराज विभाग (जयपुर) ने 11 मई 2026 को ममता जाट को प्रशासक पद से पदमुक्त करने का निर्णय लिया। अतिरिक्त आयुक्त एवं शासन उप सचिव (जांच), ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के निर्देश पर जिला परिषद भीलवाड़ा ने शुक्रवार, 22 मई 2026 को इस आदेश की पालना करवाई। ग्राम विकास अधिकारी अभिषेक परिहार की मौजूदगी में वार्ड संख्या 17 के निवर्तमान उपसरपंच (प्रशासकीय समिति सदस्य) शंकर लाल गुर्जर ने पंडेर पंचायत के प्रशासक का पदभार ग्रहण किया।

विधायक पर लगाए गंभीर आरोप, कहा- अन्याय के खिलाफ संघर्ष रहेगा जारी

इस पूरे घटनाक्रम पर निलंबित प्रशासक ममता जाट ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए स्थानीय विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

'मुझे महिला सरपंच होने के कारण निशाना बनाया जा रहा है। विधायक गोपीचंद मीणा राजनीतिक द्वेषता के चलते बार-बार झूठी शिकायतें कर रहे हैं और अपने चहेते अधिकारियों से जांच करवाकर मनमाने तरीके से मुझे निलंबित करवा रहे हैं। लेकिन, अन्याय के खिलाफ मेरा संघर्ष लगातार जारी रहेगा। '

- ममता जाट, निलंबित सरपंच प्रशासक

खेत में लगी आग से प्लास्टिक पाइप सहित अन्य सामान जलकर बना राख

स्मार्ट हलचल |बनेड़ा

उपखण्ड सर्किल के दांता गांव में गुरुवार दोपहर एक खेत में अज्ञात कारणों से लगी आग के कारण प्लास्टिक पाइप लकडीया केबल सहित अन्य सामान आग की भेट चढ गया। आग पर जिला मुख्यालय से पहुची दमकल ने ग्रामीणो के सहयोग से आग पर काबू पाया जा सका । प्राप्त जानकारी के अनुसार दांता गांव में रहने वाले किशन पुत्र गोपी जाट के खेत में अज्ञात कारणों से लगी आग के कारण खेत में सिचाई की करीब 150 फिट बोरिंग की पाइप लाइन बोरिग का रस्सा केबल लकडियों तथा खेत की बाड जल गई। आग की सुचना पर बडी संख्या में ग्रामवासी मौके पर पहुंचे आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए ।वहीं जिला मुख्यालय से पहुची दमकल ने ग्रामीणो के सहयोग से आग पर काबू पाया।

जाटों का सोपुरा विष्णु महायज्ञ में लगाई 45 हजार विष्णु सहस्त्रनामावली आहुतियां

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के जाटों का सोपुरा गांव में तेजाजी महाराज के नवनिर्मित मंदिर में मूर्ति स्थापना एवं मंदिर शिखर पर स्वर्ण कलश की स्थापना महोत्सव में दुसरे दिन शुक्रवार को स्थापित देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना एवं पुरुष सुक्त व विष्णु सहस्त्रनामावली की आहुतियां लगाई । ग्रामीणों ने बताया कि तेजाजी महाराज के मंदिर का निर्माण पूर्ण होने पर 25 मई सोमवार को मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर शिखर पर स्वर्ण कलश की स्थापना की जाएगी । इसको लेकर पांच दिवसीय पंच कुण्डीय विष्णु महायज्ञ एवं स्वर्ण कलश स्थापना की शुरुआत गुरुवार को कलशयात्रा के साथ हुई । शुक्रवार को प्रातः 8:15 बजे स्थापित देवी देवताओं का आहवान कर पूजा-अर्चना की । ज्योतिषाचार्य अम्बालाल जाट आरजिया ने बताया कि यज्ञाचार्य मुरलीधर शर्मा बासा का खेड़ा के सह पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ देवी देवताओं की पूजा अर्चना की, पांच हवन कुंडों पर 31 जोड़ों ने विष्णु सहस्त्रनामावली की 45 हजार आहुतियां लगाई, वही पुरुष युक्त की 15 हजार आहुतियां लगाई, तेजाजी महाराज की मूर्ति का धान्या धिवास किया गया । गुरुवार रात्रि को आसपास की 32 गांवों से तेजा गायन की मंडलिया पहुंची, जिससे गांव की वातावरण भक्तिमय हो गया, हर तरफ ढ़ोलक ताल की धुन पर तेजा गायन पर भक्तगण भाव विभोर होकर नाचने झूमने लगे । वहीं आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मेले में पहुंचे और डॉलर चकरी झूले का खुब आनंद लिया, ग्रामीण महिलाओं ने मेले में से जमकर खरीददारी की । पांच दिवसीय महायज्ञ की पूर्णाहुति सोमवार 25 मई को प्रातः 7:00 बजे तेजाजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा व स्वर्ण कलश की स्थापना के साथ होगी।

माँ की डांट से नाराज 11 साल की बच्ची ने रची खुद के अपहरण की झूठी कहानी

स्मार्ट हलचल|पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। मोबाइल पर फिल्में और रील्स देखकर प्रभावित हुई एक 11 वर्षीय बालिका ने अपने ही अपहरण की झूठी कहानी रचकर गांधी नगर थाना पुलिस को घंटों उलझाए रखा। पुलिस की सतर्कता और जांच में मामला पूरी तरह मनगढ़ंत निकला। दरअसल, मां की डांट से नाराज होकर बालिका घर से निकल गई थी और बाद में घर लौटने का रास्ता नहीं मिलने पर उसने अपहरण की कहानी बना दी।

जानकारी के अनुसार गांधी नगर थाना पुलिस को कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि द्वारिका कॉलोनी में एक बालिका संदिग्ध हालत में मिली है, जो अपने अपहरण की बात कह रही है। सूचना पर थाना प्रभारी पुष्पा कासोटिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। बालिका ने पुलिस को बताया कि कुछ लोग उसके घर आए और उसे नशीला लड्डू खिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद उसे ट्रक में डालकर ले जाया गया, जहां पहले से दो अन्य बच्चियां भी मौजूद थीं। बालिका ने दावा किया कि वह मौका देखकर ट्रक से कूदकर भाग निकली।

बालिका की कहानी सुनने के बाद पुलिस को संदेह हुआ। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और आसपास के लोगों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि बालिका की मां ने सुबह पड़ोसी के लिए गलत सामान लाने पर उसे डांट दिया था। इससे नाराज होकर वह घर से निकल गई थी। बाद में रास्ता भटकने पर उसने टीवी सीरियल और फिल्मों से प्रेरित होकर झूठे अपहरण की कहानी बना ली।

गांधी नगर थाना प्रभारी पुष्पा कासोटियां ने बताया कि सुबह 11 - 11.30 के आसपास कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि एक 11-12 वर्षीय बच्ची के अपहरण किया गया है और वह द्वारिका कॉलोनी में खड़ी हुई है। में ई मेरी टीम तुरंत मौके पर पहुंची तो बच्ची ने बताया कि ट्रक चालक उसे अगवा कर ले गए थे और ट्रक में दो अन्य बच्चियां भी थीं। बच्ची ने यह भी कहा कि वह मौका देखकर ट्रक से कूदकर भाग निकली। इस पर तुरंत हमने सीसीटीवी फुटेज, आसपास के लोगों से पूछताछ और जांच की तो कहानी झूठी निकली। इस पूरे मामले में सामने आया कि बच्ची को उसकी मां ने सुबह पड़ोसी के लिए गलत सामान लाने पर डांटा था, जिसके बाद वह घर से निकल गई। इसके बाद उसने टीवी सीरियल से प्रेरित होकर अपने अपहरण की मनगढ़ंत कहानी बना दी। हमने बच्ची को समझाया कि ऐसी झूठी कहानियां खतरनाक हो सकती हैं और किसी अनहोनी का कारण बन सकती हैं। बच्ची ने दोबारा ऐसी गलती नहीं करने का भरोसा दिलाया।

गुरला में चरागाह भूमि पर माफिया का राज: जेसीबी से धड़ल्ले से अवैध खनन दोहन से पेड़-पौधे को नष्ट किया

पर्यावरण पर संकट, प्रशासन की 'मौन सहमति' पर उठे सवाल

स्मार्ट हलचल

गुरला। गुरला क्षेत्र में चरागाह (गोचर) भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा धड़ल्ले से अवैध खनन का खेल चल रहा है। दिन-रात चल रही जेसीबी मशीनों ने हरी-भरी चरागाह भूमि को गहरे और डरावने खड्डों में तब्दील कर दिया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि अवैध खनन से भरे दर्जनों ट्रैक्टर बेखौफ होकर मुख्य हाईवे से गुजर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं।

गुरलां में अवैध खनन मिट्टी दोहन रगसपुरिया चौराहे के पास हाईवे राजलक्ष्मी होटल के पिछे चरागाह

भूमि पर काबरा नाका पहाड़ी पर वनविभाग की जगह पर अवैध खनन कर बड़े बड़े खड्डे बन गए। गाडरी खेड़ा स्कूल के पास में वन विभाग की जगह पर अवैध खनन किया जा रहा है।अन्य कई जगह चरागाह भूमि व वन विभाग की जगह पर अवैध खनन मिट्टी दोहन ट्रेक्टर ट्राली,डम्पर, जेसीबी मशीन की मदद से खुदाई की जारही है इससे स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन की मिलीभगत को लेकर भारी आक्रोश है।

चरागाह नष्ट, मवेशियों के सामने संकटअवैध रूप से मिट्टी और पत्थरों के खनन के कारण गोचर भूमि पूरी तरह बर्बाद होने की कगार पर है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर यह अवैध धंधा तुरंत नहीं रुका, तो मवेशियों के चरने के लिए जमीन ही नहीं बचेगी। जेसीबी से किए गए बड़े-बड़े खड्डे अब बेजुबान जानवरों के लिए मौत का कुआं साबित हो रहे हैं। चरागाह भूमि राजस्व विभाग, ग्राम पंचायत के अधिन, पहाड़ी इलाकों वनविभाग के अन्तर्गत आता है।

अवैध मिट्टी और बजरी दुकान से पेड़ पौधे नष्ट किया पर्यावरण पर संकट

गुरलां क्षेत्र के चरागाह भूमि पर ट्रैक्टर व जेसीबी की मदद से अवैध मिट्टी में बजरी दोहन किया जा रहा है इसे आसपास के गांव में सप्लाई की जा रहे हैं खनन के कारण चरागाह में बड़े बड़े खड्डे बन चुके हैं हरियाली पूरी तरह नष्ट हो जाती है व हो रही हैं यह सब प्रशासन की नाक के नीचे कार्यवाही हो रही हैं।

क्या प्रशासन की मिलीभगत से चल रहा खेल?

खुलेआम चल रहे इस अवैध कारोबार ने प्रशासनिक दावों की पोल खोल कर रख दी है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि बिना पुलिस और खनिज विभाग की 'मौन सहमति' या मिलीभगत के इतना बड़ा अवैध खनन हाईवे के पास होना नामुमकिन है। कार्रवाई न होना विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

ग्रामीणों की तत्काल कार्रवाई की मांग

गुरला के ग्रामीणों ने बताया गया कि तत्काल कार्रवाई कर अवैध खनन को रूकवाया जाए ताकि चरागाह भूमि में नुकसान को बचा जा सके इसका तत्काल कार्रवाई की जाए।

घर में घुसकर नकबजनी की वारदात का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार चोरी का माल बरामद

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले के करेड़ा थाना क्षेत्र में हुई एक घर में नकबजनी (चोरी) की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए 1.040 किलोग्राम वजन का चांदी का कंदौरा बरामद कर आरोपी शंकर रेगर को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता मोहन रैगर की पत्नी ने 10 मई 2026 को सुबह करीब 8 बजे सामाजिक कार्यक्रम में जाने के लिए जब लोहे का बक्सा खोला, तो उसमें कपड़े के नीचे रखा चांदी का कंदौरा गायब था। जिसे अज्ञात चोर चुरा के जाने का शक हुआ तो थाने में रिपोर्ट दी । पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (बुद्धराज) और वृताधिकारी आसीन्द (ओमप्रकाश) के निर्देशन में करेड़ा थानाधिकारी पूरणमल के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिरों से जानकारी जुटाई और पुराने अपराधियों के मोबाइल नंबरों की सीडीआर का विश्लेषण किया। इसके आधार पर आरोपी शंकर रेगर (उम्रः 27 वर्ष), पिता स्वर्गीय गोकुल रेगर, निवासी रेगर मोहल्ला, करेड़ा, को पकड़कर पूछताछ की गई, जिसने चोरी की बात कबूल की। कार्यवाही करने वाली टीम में नारायण सिंह सहायक उप-निरीक्षक, भगवान कांस्टेबल प्रदीप कुमार (कांस्टेबल विशेष योगदान), जितेंद्र सिंह, शकूर शामिल थे।

नवनियुक्त एसटी मोर्चा जिलाध्यक्षों का किया स्वागत

स्मार्ट हलचल | हनुमाननगर

हनुमाननगर क्षेत्र के कोटा रोड पर भीलवाड़ा एसटी मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अजय सिंह मीणा निवासी लुहारी एवं अजमेर देहात एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष रंगलाल भील का भाजपा गाडौली मंडल के पूर्व अध्यक्ष बृजराजसिंह खींची के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने माला एवं साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया। भीलवाड़ा एसटी मोर्चा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अजय कुमार मीणा भारतीय जनता पार्टी के सबका साथ सबका विकास के तहत मजबूती से संगठन करने एवं अधिक से अधिक भारतीय जनता पार्टी कि विचार धारा से जोड़ने को कार्यकर्ताओं को कहा एवं उन्होंने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर,एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष गोपीचंद मीणा सहित भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा का नवीन दायित्व के लिए आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष बृजराजसिंह खींची, पूर्व महामंत्री आनंदी लाल मीणा, हरिसिंह मीणा, चरण सिंह मीणा एवं मुकेश मीणा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता बंधु मौजूद थे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत किशनगढ़ में लगा था शिविर, दूरभाष पर सूचना देने के बाद भी नहीं पहुंची कार्यकर्ता

स्मार्ट हलचल

क्षेत्र की ग्राम पंचायत किशनगढ़ में सरकार की बेहद महत्वपूर्ण योजना के तहत आयोजित शिविर में एक सरकारी कार्मिक की गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत शुक्रवार को आयोजित 'लाभार्थी सैचुरेशन कैंप' से सुजानपुरा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहीं। इस घोर लापरवाही को लेकर किशनगढ़ सरपंच पिंकी कुमारी मीणा ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी (जहाजपुर) को लिखित शिकायत भेजकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शिविर में चार गांवों के ग्रामीणों को मिलना था लाभ-

जानकारी के अनुसार, उपखण्ड अधिकारी जहाजपुर के आदेशानुसार शुक्रवार (22 मई 2026) को ग्राम पंचायत किशनगढ़ मुख्यालय पर एक विशेष 'लाभार्थी सैचुरेशन कैंप' का आयोजन किया गया था। इस कैंप में किशनगढ़, छाछिया-बान्दोला और सुजानपुरा ग्राम के लाभार्थियों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना था।

फ़ोन करने पर भी नहीं आई, सरपंच ने बताया घोर लापरवाही

शिविर के दौरान जब सुजानपुरा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सन्तरा मीणा अनुपस्थित पाई गई, तो उन्हें दूरभाष (फ़ोन) के माध्यम से भी सूचना दी गई। इसके बावजूद वे कैंप में उपस्थित नहीं हुईं।

सरपंच पिंकी कुमारी मीणा ने पत्र में लिखाः 'यह कैंप 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत आयोजित होने वाला सरकार का एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील शिविर है। ऐसे बड़े मंच और सरकारी योजना के कैंप से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का इस तरह अनुपस्थित रहना उनकी घोर लापरवाही और कार्य के प्रति उदासीनता को दर्शाता है।''

इनका कहना

नहीं आई तो नोटिस देकर वेतन काट लिया जायेगा।

कुशाल सिँह
सीडीपीईओ जहाज़पुर

त्याग और संयम से आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है : साध्वी मणिप्रभा

स्मार्ट हलचल

कोटड़ी। स्थानीय शीतल भवन में आयोजित धर्मसभा में राजस्थान प्रवर्तिनी, पूज्या गुरुणी श्री यश कंवर जी मसा की सुशिष्या शीतल ज्योति मणिप्रभा जी मसा ने त्याग, तप और आत्मशुद्धि का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि त्याग केवल वस्तुओं का नहीं बल्कि मन के विकारों, अहंकार और आसक्ति का होना चाहिए। जब व्यक्ति अपने भीतर से लोभ, क्रोध और मोह का त्याग करता है तभी वास्तविक शांति और आत्मिक उन्नति का अनुभव होता है। जीवन में संयम और त्याग को अपनाने से व्यक्ति का व्यक्तित्व निखरता है तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। त्याग जीवन को हल्का और विचारों को पवित्र बनाता है।

इस अवसर पर तरुण तपस्वी साध्वी रुचिकाश्री जी मसा ने प्रवचन में कहा कि आज के समय में धर्म का वास्तविक स्वरूप त्याग, सेवा और सदाचार में दिखाई देता है। सांसारिक आकर्षणों से ऊपर उठकर आत्मचिंतन करने वाला व्यक्ति ही जीवन के वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर सकता है। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

29 मई तक गूंजेगा भक्ति का स्वर, प्रतिदिन होंगे नव कुंडीय महायज्ञ

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर के गायत्री नगर स्थित पाण्डु का नाला रेलवे पुलिया के पास स्थित श्री सगस दरबार मंदिर परिसर में भोपाजी महाराज रामेश्वर जी गाडरी के पावन सानिध्य में आयोजित नव कुंडीय श्री सगस हरि हर महायज्ञ, श्रीमद्भागवत कथा एवं रामलीला महोत्सव को लेकर शुक्रवार को आयोजन स्थल पर प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

प्रेस वार्ता में आयोजन समिति अध्यक्ष लादूराम वैष्णव ने महोत्सव की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि 21 मई से प्रारंभ हुआ यह धार्मिक महोत्सव 29 मई तक श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ निरंतर आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन प्रातः वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नव कुंडीय श्री सगस हरि हर महायज्ञ, दोपहर में श्रीमद्भागवत कथा तथा रात्रि में भव्य रामलीला मंचन का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि कथा वाचक पंडित सूर्य प्रकाश शास्त्री प्रतिदिन व्यासपीठ से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान करा रहे हैं। वहीं नागौर से आए कलाकार भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों पर आधारित रामलीला का जीवंत एवं आकर्षक मंचन प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसे देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

आयोजन समिति के रोशन मेघवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन स्थल को आकर्षक विद्युत सज्जा एवं रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है, जिससे संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पेयजल, प्रसादी, बैठने एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं। समिति पदाधिकारियों ने आमजन से अधिकाधिक संख्या में आयोजन में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की। इस दौरान यज्ञ समिति से पार्षद प्रकाश भील, गजानंद कुमावत, गोविंद शर्मा, तेजेन्द्र सिंह शक्तावत, हिम्मत सिंह, धर्मेंद्र सिंह, कुलदीप, अंगद मेघवंशी सहित समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद का निः शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर संपन्न

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। भारत विकास परिषद शाखा गंगापुर एवं मदन लाल काबरा चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान है निः शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर शुक्रवार को सोहस्ती वाटिका में आयोजित किया गया।।शिविर प्रभारी पवन लोहिया ने बताया कि इसमें कुल 60 लाभार्थियों को इस शिविर में परामर्श दिया गया तथा 07 रोगियो को निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया गया । इस शिविर का शुभारंभ शाखा संरक्षक प्रहलाद राय सोमानी, सुरेश सिंघवी रीजनल महासचिव संदीप बाल्दी, शाखा अध्यक्ष चमन लोसर, शाखा सचिव दिनेश कुमार श्रोत्रिय, महिला संयोजिका दीपिका सोनी ने भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद जी की तस्वीर के दीप प्रज्वलन कर वंदे मातरम् गायन के साथ प्रारंभ हुआ। इस शिविर में कृष्णा हॉस्पिटल भीलवाड़ा के अनुभवी डॉक्टर द्वारा पाइल्स, फिशर, फिस्टुला, अपेंडिक्स हार्निया, प्रोस्टेट/पथरी, हृदय रोग एवं अस्थि रोग विशेषज्ञ द्वारा इन रोगियों का ईलाज किया गया। शिविर में रोगियो को निः शुल्क जांच कर परामर्श दिया गया। इस दौरान मरीजों की निः शुल्क बीपी शुगर की जांच भी की गई।

कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के रिजनल महासचिव संदीप बाल्दी, शाखा संरक्षक प्रहलाद राय सोमानी, सुरेश सिंघवी, अध्यक्ष चमन लोसर सचिव दिनेश श्रोत्रिय, कोषाध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल, मनोज मूँदडा, कमलेश पाठक, शिविर प्रभारी पवन लोहिया, राजेश रांका, नंदकिशोर तेली, महिला संयोजिका दीपिका सोनी, परिषद सदस्य भेरू लाल सुराणा, तुषार अग्रवाल, सुरेश तिवारी, हरि वल्लभ शर्मा, प्रदीप दाधीच, महिला सदस्या दया सैनी आदि उपस्थित रहे।

राशन विक्रेता संघ कि तहसील कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

राशन विक्रेता संघ कि तहसील कार्यकारिणी के चुनाव शुक्रवार को क्रय-विक्रय सहकारी समिति परिसर में निर्विरोध सम्पन्न हुए। राशन विक्रेता संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष शेर सिंह राठौड़ (डाबला) उपाध्यक्ष सोपात हुसैन (जीएसएस नि कला) सचिव अमर सिंह राठौड़ (जीएसएस बल्दरखा) कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज शर्मा (पायरा) सहसचिव भेरुलाल बैरवा (बनेडा) सहकोषाध्यक्ष भगवत सिंह कानावत (कंकोलिया) संरक्षक सलीम मोहम्मद पठान (बनेडा) महामंत्री नरवरसिह राठौड़ (बामणिया) मंत्री सीताराम उपाध्याय (महुआखुर्द) चुने गए। इस दौरान बड़ी संख्या में राशन विक्रेता उपस्थित थे।

पिकअप-बाइक भिड़ंत में सामाजिक कार्यक्रम से लौट रहे युवक की मौत

8 वर्षीय मासूम सहित दो घायल

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। नई राज्यास-खामोर मार्ग पर गुरुवार रात हुआ भीषण सड़क हादसा एक परिवार की खुशियां छीन ले गया। खामोर गांव में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम से लौट रहे युवक की पिकअप और बाइक की जोरदार भिड़ंत में मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।

हेड कांस्टेबल प्रहलाद मीणा ने बताया कि नई राज्यास निवासी विनोद पुत्र छीतरलाल बाबरी (32) गुरुवार रात खामोर गांव में आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब 9 बजे नई राज्यास-खामोर रोड पर एक तेज रफ्तार पिकअप और बाइक में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे, वहीं टक्कर के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे में विनोद बाबरी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं रिया पुत्री दिनेश बावरी (8) तथा 40 वर्षीय अमरसिंह पुत्र नरेंद्र बावरी भी घायल हुए। हालांकि दोनों घायल बाइक पर सवार थे या पिकअप में मौजूद थे, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है।

घटना के बाद आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक स्थानीय लोगों और परिजनों की सहायता से घायलों को शाहपुरा जिला चिकित्सालय पहुंचा दिया गया था। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने विनोद बाबरी को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल रिया और अमरसिंह की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को भीलवाड़ा जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

घटना की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। मृतक के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि विनोद मिलनसार और सामाजिक स्वभाव के व्यक्ति थे, जिनकी असमय मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

मृतक विनोद के भाई दूदाराम ने पुलिस को हादसे की रिपोर्ट दी, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने गुरुवार रात मृतक के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया गया। इसके बाद गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

ग्रामीणों ने बताया कि नई राज्यास-खामोर मार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन हादसों का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और लापरवाही से वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

भारत विकास परिषद का निः शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित

स्मार्ट हलचल

रायपुर। भारत विकास परिषद शाखा गंगापुर एवं मदन लाल काबरा चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान है निः शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर शुक्रवार को प्रातः 09:15 से 02:00 बजे तक सोहस्ती वाटिका बस स्टैंड गंगापुर में आयोजित किया गया।।शिविर प्रभारी पवन लोहिया ने बताया कि इसमें कुल 60 लाभार्थियों को इस शिविर में परामर्श दिया गया तथा 07 रोगियो को निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया गया । इस शिविर का शुभारंभ शाखा संरक्षक प्रहलाद राय सोमानी, सुरेश सिंघवी रीजनल महासचिव संदीप बाल्दी, शाखा अध्यक्ष चमन लोसर, शाखा सचिव दिनेश कुमार श्रोत्रिय, महिला संयोजिका दीपिका सोनी ने भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद जी की तस्वीर के दीप प्रज्वलन कर वंदे मातरम् गायन के साथ प्रारंभ हुआ। इस शिविर में कृष्णा हॉस्पिटल भीलवाड़ा के अनुभवी डॉक्टर द्वारा पाइल्स, फिशर, फिस्टुला, अपेंडिक्स हार्निया, प्रोस्टेट/पथरी, हृदय रोग एवं अस्थि रोग विशेषज्ञ द्वारा इन रोगियों का ईलाज किया गया। इसी शिविर में रोगियो को निः शुल्क जांच कर परामर्श दिया गया। इस दौरान मरीजों की निः शुल्क बीपी शुगर की जांच भी की गई। इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के रिजनल महासचिव संदीप बाल्दी, शाखा संरक्षक प्रहलाद राय सोमानी, सुरेश सिंघवी, अध्यक्ष चमन लोसर सचिव दिनेश कुमार श्रोत्रिय, कोषाध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल, मनोज मूँदडा,कमलेश पाठक,शिविर प्रभारी पवन लोहिया, राजेश रांका, नंदकिशोर तेली, महिला संयोजिका दीपिका सोनी, परिषद सदस्य भेरू लाल सुराणा, तुषार अग्रवाल, सुरेश तिवारी, हरि वल्लभ शर्मा, प्रदीप दाधीच, महिला सदस्या दया सैनी आदि उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह ने किया बराना ग्राम पंचायत का दौरा, 'ग्रामीण उपवन' सहित विभिन्न विकास कार्यों का लिया जायजा

स्मार्ट हलचल

आसींद (भीलवाड़ा)। भीलवाड़ा जिला कलेक्टर जसमीत सिंह ने आसींद ब्लॉक की ग्राम पंचायत बराना का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत क्षेत्र में हुए विभिन्न विकास कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया और अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

3 हेक्टेयर में फैले 'ग्रामीण उपवन' का किया निरीक्षण

दौरे के दौरान जिला कलेक्टर ने सबसे पहले ग्राम पंचायत द्वारा 3 हेक्टेयर भूमि पर विकसित किए गए 'ग्रामीण उपवन' का अवलोकन किया। इस उपवन में पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए फलदार, औषधीय और छायादार किस्मों के करीब 2000 पौधे लगाए गए हैं। साथ ही, आमजन की सुविधा के लिए उपवन परिसर में एक सुंदर पार्क भी विकसित किया गया है।

नर्सरी और फार्म पॉन्ड बनाने के दिए निर्देश

हरियाली और जल संरक्षण को और अधिक बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर ने अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों को गांव में एक नर्सरी का निर्माण करने और जल संचयन के लिए फार्म पॉन्ड बनाने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इसके अलावा, कलेक्टर ने गांव में बने सामुदायिक कैटल शेड (पशु आश्रय), मॉडल तालाब और ग्रामीण लाइब्रेरी का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर के साथ प्रशासनिक अमला और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इनमें मुख्य रूप से आसींद एसडीएम परमजीत सिंह,तहसीलदार जय सिंह, विकास अधिकारी भंवर सिंह चारण के साथ-साथ बराना प्रशासक सुखदेव भील, उप प्रशासक संगीता पारीक और एमपीयूएटी के बोर्ड मेंबर विष्णु पारीक आदि उपस्थित थे।

धरती आबा जनभागीदारी शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, योजनाओं की दी जानकारी

स्मार्ट हलचल

ग्राम पंचायत खजूरी में 'धरती आबा जनभागीदारी शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अपनी समस्याओं का समाधान करवाया।

शिविर प्रभारी एवं प्रशासक श्री कालूलाल बलाइ ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि गांव के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीणों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं, जिससे आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो रहा है।

शिविर के दौरान प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही कई कार्यों का निस्तारण कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की। साथ ही ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने एवं जागरूक रहने की अपील की गई।

इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी कन्हैयालाल मीणा, वीडीओ सियाराम मीणा सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर उदयपुर में गंभीर मंथन

बढ़ती पेंथर आबादी और घटती वन्यजीव विविधता पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता, 'केवल हरियाली नहीं, संपूर्ण जीवन-श्रृंखला बचानी होगी

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर ग्रीन पीपल सोसायटी एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वन भवन में गोष्ठी एवं प्रेजेंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरणविदों, वन अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जैव विविधता संरक्षण, घटती वन्यजीव विविधता तथा बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

कार्यक्रम में यूनिसेफ इंडिया के भूतपूर्व पर्यावरण विशेषज्ञ एस. एन. दवे ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से जैव विविधता की महत्ता और उसके संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर मौजूद पेड़-पौधे, वन्यजीव, सूक्ष्मजीव और संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। इनमें से किसी एक कड़ी के टूटने से पूरा पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ सकता है।

बढ़ती पेंथर आबादी बन रही चिंता का कारण

संगोष्ठी में उदयपुर क्षेत्र में तेजी से बढ़ती पेंथर आबादी और घटती फॉनल डाइवर्सिटी (वन्यजीव विविधता) को लेकर विशेष चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि अरावली क्षेत्र में फ्लोरल डाइवर्सिटी यानी वनस्पति विविधता तो अब भी दिखाई देती है, लेकिन शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या लगातार घट रही है। परिणामस्वरूप पेंथर भोजन की तलाश में गांवों, ढाणियों और शहरों की सीमाओं तक पहुंचने लगे हैं। वरिष्ठ वन अधिकारियों एवं पर्यावरणविदों ने बताया कि आज तेंदुए 'प्राकृतिक जंगल तंत्र' पर नहीं, बल्कि 'मानव-आधारित खाद्य स्रोतों' पर निर्भर होने लगे हैं। यही कारण है कि ग्रामीण एवं अर्धशहरी क्षेत्रों में पेंथर का दिखाई देना सामान्य घटना बनती जा रही है। मवेशियों पर हमले बढ़ रहे हैं और कई स्थानों पर मानव जीवन भी खतरे में आया है।

'केवल पेड़ पर्याप्त नहीं, शिकार प्रजातियां भी जरूरी

पर्यावरणविद प्रो. महेश शर्मा ने कहा कि यदि जंगलों में चीतल, सांभर, खरगोश, जंगली सूअर और अन्य शिकार प्रजातियां नहीं बचेंगी, तो शीर्ष शिकारी पेंथर प्राकृतिक रूप से गांवों और शहरों की ओर आएंगे। उन्होंने बताया कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जिले में पिछले वर्ष करीब 130 तेंदुए दर्ज किए गए थे, जबकि कई सेवानिवृत्त वन अधिकारी यह संख्या 700 से 1000 तक मानते हैं। उन्होंने कहा कि एक तेंदुए को वर्षभर में औसतन 40 से 50 बड़े शिकार की आवश्यकता होती है, जबकि उदयपुर के जंगलों में उपलब्ध शिकार प्रजातियां सीमित हो चुकी हैं। ऐसे में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को केवल वन विभाग की समस्या नहीं, बल्कि पर्यावरणीय असंतुलन के रूप में देखने की आवश्यकता है।

जैव विविधता बचाने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी जरूरी

ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने घटते वन, सिमटते जल स्रोत, बढ़ते शहरीकरण और पर्यावरण असंतुलन पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना, पानी बचाना, कचरा कम करना और प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करना जैसे छोटे कदम भी जैव विविधता संरक्षण में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। सुहेल मजबूर ने अति जल दोहन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, कीटनाशकों और रसायनों के बढ़ते उपयोग से पर्यावरण एवं पारिस्थितिक संतुलन पर पड़ रहे दुष्प्रभावों की जानकारी दी।

प्रकृति के साथ जीने का लिया संकल्प

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने और जैव विविधता संरक्षण के लिए व्यक्तिगत स्तर पर कार्य करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि यदि समय रहते फॉनल डाइवर्सिटी को पुनर्स्थापित करने के गंभीर प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव सेडूराम यादव, मुख्य वन संरक्षक उदयपुर सुनील चिदरी, उप वन संरक्षक मुकेश सैनी, शैतान सिंह देवड़ा, यादवेंद्र सिंह, संजय गुप्ता, डॉ. ललित जोशी, वी.एस. राणा, यासीन पठान, डॉ. विजय कोहली, डॉ. सुमन भटनागर, अनिरुद्ध चुण्डावत, प्रीति मुर्डिया सहित वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रीन पीपल सोसायटी के सदस्य उपस्थित रहे।

श्री गुजरगौड़ ब्राह्मण महासभा की नवीन जिला कार्यकारिणी घोषित

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

अखिल भारतवर्षीय श्री गुजरगौड़ ब्राह्मण महासभा की नवीन जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, प्रधानमंत्री प्रद्युम्न जोशी, मुख्य संरक्षक ओमप्रकाश उपाध्याय एवं उपप्रधानमंत्री मधुसूदन पंचारिया की अनुशंसा पर जिलाध्यक्ष प्रशांत शर्मा एवं महामंत्री राजेंद्र चतुर्वेदी ने नई कार्यकारिणी का गठन किया।

महामंत्री राजेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि नवीन कार्यकारिणी में ओमप्रकाश उपाध्याय को मुख्य संरक्षक, प्रशांत शर्मा को जिलाध्यक्ष, राजेंद्र चतुर्वेदी को जिला महामंत्री, विनायक द्विवेदी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं बद्रीलाल शर्मा गांधीनगर को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा संरक्षक मंडल, सलाहकार मंडल, संगठन मंत्री, जिला प्रवक्ता, उपाध्यक्ष, जिला मंत्री, आईटी सेल, सांस्कृतिक, शिक्षा, मीडिया, व्यापार, खेल, अनुशासन, ज्योतिष, विधि एवं न्याय तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रकोष्ठों में विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

महासभा द्वारा गठित नई कार्यकारिणी में जिले के विभिन्न क्षेत्रों एवं समाज के विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। संगठन पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी समाज के संगठन विस्तार, सामाजिक समरसता, शिक्षा, संस्कार एवं समाजहित के कार्यों को गति प्रदान करेगी। संगठन ने समाज के युवाओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देते हुए तरुण संघ जिलाध्यक्ष पद पर कृष उपाध्याय को मनोनीत किया है। वहीं विभिन्न तहसील एवं नगर स्तर पर भी पदाधिकारियों की नियुक्तियां की गई हैं।

भारतीय कला जगत का गौरव: डॉ. ओम प्रकाश सोनी को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड'

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

विश्व धरोहर कला महोत्सव के अवसर पर लोक कला मंडल में आयोजित 'वर्ल्ड हेरिटेज इंटरनेशनल आर्ट फेस्टिवल-2026' में बिजौलियाँ के ख्यातनाम चित्रकार डॉ. ओम प्रकाश सोनी को प्रतिष्ठित 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें भारतीय लघुचित्र (मिनिएचर) एवं तैलचित्र (ऑयल पेंटिंग) परंपराओं के संरक्षण, पुनर्जीवन और उन्नयन में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन 'आर्ट पीवोट संस्था' द्वारा गुरुवार, 21 मई 2026 को किया गया, जिसमें देशभर के कलाकारों, कला प्रेमियों एवं शिक्षाविदों की उपस्थिति रही। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात कलाविद् प्रो. सुरेश शर्मा एवं पेसिफिक विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. हेमंत कोठारी उपस्थित रहे। डॉ. ओम प्रकाश सोनी भारतीय सांस्कृतिक विरासत के सच्चे संरक्षक माने जाते हैं। उन्होंने अत्यंत सूक्ष्मता और समर्पण के साथ 10 हजार से अधिक प्राचीन चित्रों का संरक्षण एवं पुनर्स्थापन किया है। साथ ही भारतीय विरासत से जुड़े दुर्लभ भित्तिचित्रों (फ्रेस्को) के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला के क्षेत्र में उनका योगदान केवल संरक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने अपने निस्वार्थ शिक्षण एवं कला के प्रति अटूट समर्पण के माध्यम से नई पीढ़ी को भी प्रेरित किया है। उनकी उत्कृष्ट कलायात्रा भारतीय संस्कृति और विरासत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने का कार्य कर रही है।

समारोह में आशा यादव, पंकज कनेरिया एवं भास्कर चौधरी को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान भारतीय कला एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण पर विशेष चर्चा हुई तथा कलाकारों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नीट पेपर लीक मामले को लेकर जयपुर में कांग्रेस का धरना प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर जयपुर स्थित पीसीसी कार्यालय में आयोजित एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन में पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत सहित चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के कई कांग्रेस पदाधिकारियों ने भाग लिया।

ओबीसी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष गेहरूगिरी गोस्वामी ने बताया कि धरना-प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

प्रदर्शन में पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत, पूर्व जिला अध्यक्ष भेरूलाल चौधरी, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सोनी, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम जाट, प्रदेश सचिव रणजीत लोट, पर्यावरण प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष कमल गुर्जर, हिमांशु बारेगामा एवं एससी विभाग जिला अध्यक्ष राकेश घारू सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पेपर लीक जैसी घटनाओं से युवाओं एवं विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाए जाने की मांग करते हुए केंद्र सरकार पर छात्रों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

'खेल प्रतिभाओं को मंच देने वाली सावा गोल्ड कप प्रतियोगिता क्षेत्र में खेल संस्कृति को नई पहचान दे रही है' — पूरण आंजना

सावा गोल्ड कप फुटबॉल प्रतियोगिता में जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष पूरण आंजना पहुंचे, खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़/ निंबाहेड़ा

सावा कस्बे के महाराणा प्रताप कॉलेज मैदान पर सद्भावना क्लब एवं सोशल क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रही ऑल इंडिया सावा गोल्ड कप फुटबॉल प्रतियोगिता में गुरुवार को खेल भावना, जोश और रोमांच का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रतियोगिता के दौरान जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष पूरण आंजना मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम बताया।

इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष एवं कारुण्डा सरपंच गोपाल जाट, जिला फुटबॉल संघ उपाध्यक्ष रामकिशन चौधरी, जिला क्रीड़ा परिषद के पूर्व सदस्य मुकेश पारख एवं मोहम्मद बोहरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजन समिति अध्यक्ष प्रकाश चौधरी, सचिव नरेंद्र टेलर, कोषाध्यक्ष राघव चौधरी तथा सदस्य जयंत हिंगड़ एवं रकीब शेख ने अतिथियों का मेवाड़ी पगड़ी एवं ओपर्णा पहनाकर आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया। स्वागत समारोह के पश्चात मुख्य अतिथि पूरण आंजना मैदान में पहुंचे, खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा फुटबॉल को किक लगाकर रोमांचक मुकाबले का शुभारंभ किया। अपने उद्बोधन में पूरण आंजना ने कहा कि फुटबॉल केवल खेल नहीं बल्कि अनुशासन, टीम भावना, संघर्ष और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों में इस प्रकार की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभाओं को नई दिशा प्रदान करती हैं तथा खेलों के माध्यम से भाईचारे और सद्भावना का संदेश मजबूत होता है। गुरुवार सायंकाल आयोजित हुए रोमांचक मुकाबले में चित्तौड़गढ़ टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आकोला महाराष्ट्र की टीम को 3-1 गोल से पराजित कर दर्शकों की भरपूर तालियां बटोरी। मैच के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, तेज रणनीति और शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे पूरा मैदान उत्साह और रोमांच से गूंज उठा। आयोजन समिति अध्यक्ष प्रकाश जाट एवं नरेंद्र टेलर ने बताया कि 19 मई से 25 मई तक आयोजित हो रही इस ऑल इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता में देशभर की 18 टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता के फाइनल विजेता को ट्रॉफी सहित 1,11,000 तथा उपविजेता टीम को ट्रॉफी सहित 51,000 की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्र के खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों सहित चित्तौड़गढ़, निंबाहेड़ा एवं दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शकों ने रोमांचक मुकाबलों का भरपूर आनंद लिया और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

अल्पसंख्यक कांग्रेस व नारी शक्तिकरण ने वार्डों की समस्याओं को लेकर किया नगर परिषद का घेराव

लावारिस सांड, कुत्तों के आतंक एवं बदहाल जनसुविधाओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

शहर में लावारिस सांडों एवं कुत्तों के आतंक, बदहाल सफाई व्यवस्था, बंद स्ट्रीट लाइट, पेयजल संकट एवं टूटी सड़कों की समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग एवं नारी शक्तिकरण इकाई ने शुक्रवार को नगर परिषद कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कांग्रेस अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष इम्तियाज हुसैन लौहार के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शन के दौरान नगर परिषद को ज्ञापन सौंपा गया, जिसकी प्रतियां जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, संभागीय आयुक्त उदयपुर, निदेशक स्वायत्त शासन विभाग जयपुर एवं विधायक को भी भेजी गईं। प्रदर्शनकारियों ने आगामी त्यौहार ईद-उल-अजहा से पूर्व सभी समस्याओं के समाधान का अल्टीमेटम दिया।

जिला संगठन मंत्री रफीक खान एवं शहर अध्यक्ष नवाब खान ने बताया कि सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए नगर परिषद पहुंचे और प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर परिषद की लगातार अनदेखी एवं लापरवाही के कारण आमजन परेशान हैं।

ज्ञापन में बताया गया कि गांधी चौक, सुभाष चौक, लोहार मोहल्ला, कुंभा नगर, प्रताप नगर एवं तेजाजी चौक सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लावारिस सांडों एवं कुत्तों का आतंक बना हुआ है। हाल ही में चंदनपुरा क्षेत्र में सांड के हमले से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों पर लगातार हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि पूर्व में भी कई बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन नगर परिषद द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने बताया कि शहर में नियमित सफाई व्यवस्था नहीं है तथा मस्जिद, ईदगाह एवं मुख्य मार्गों की स्ट्रीट लाइटें बंद होने से रात में अंधेरा रहता है। ज्ञापन में पेयजल संकट को भी गंभीर समस्या बताते हुए कहा गया कि शहर में कम दबाव से सीमित समय तक पानी की आपूर्ति हो रही है। साथ ही कई वार्डों की सड़कें बदहाल स्थिति में हैं। मोहर मंगरी क्षेत्र में पेयजल समस्या को देखते हुए सरकारी जल कनेक्शन बढ़ाने एवं स्कूल तथा पीपल क्षेत्र में ट्यूबवेल खुदवाने की मांग भी की गई। प्रदर्शन के दौरान इम्तियाज हुसैन लौहार, मोहसीन खान, मोहम्मद फारूक नीलगर, नवाब खान, रफीक खान, किशन दशोरा, जमील अहमद, इकबाल अब्बासी, खुसरो कमाल, फिरोज खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, महिला कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मदिरा दुकानों के 20 कलस्टर के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी 26 मई को

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार आबकारी एवं मद्य संयम नीति वर्ष 2025-29 में संशोधन के प्रावधान के अनुसार वर्ष 2026-27 के लिए नवीनीकरण से शेष रही पड़त मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिए विभागीय वेबसाईट ीजजचेध्ध्मउेण्तंरेंजींदण्हवअण्पद पर नीलामी मंगलवार, 26 मई 2026 को प्रातः 11 से सांय 4 बजे तक ई-बोली आमंत्रित की गई है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में शेष 20 कलस्टर पर 36 दुकानों का बंदोबस्त किया जाना है।

आबकारी आयुक्त के अनुसार ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट से अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रक्रियानुसार एक बारीय पंजीकरण करने के बाद ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पर सिटीजन केटेगरी के अन्तर्गत एसएसओ आईडी बनाना जरूरी है। उक्त नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम 5 घंटे की होगी एवं उसके पश्चात जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार तक जारी रहेगी। बोलीदाता को कम से कम 10 हजार रूपए अथवा 10 हजार के गुणांक में बढाकर बोली लगानी होगी। बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राईस पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।

कलस्टर का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, संशोधित न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध रहेगा। ऑनलाइन नीलामी में एसएसओ आईडी के माध्यम से भाग लेने के इच्छुक आवेदक द्वारा कलस्टर का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाइट पर जमा हो जानी चाहिए। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेंगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या तकनीका कारणों से राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नही ले पाने के लिए आवेदक स्वयं जिम्मेदार रहेंगे। प्रत्येक कलस्टर के लिए ऑनलाइन नीलामी में भाग लेने के लिए निर्धारित न्यूनतम रिजर्व प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि अथवा डायनेमिक एरनेस्ट मनी भी जमा करानी होगी।

जाशमा विद्यालय के बरामदे की पट्टियां गिरी

चित्तौड़गढ़। जिले के भूपालसागर ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाशमा के बरामदे की पट्टियां टूटकर गिर गई, गनीमत यह रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि भवन क्षतिग्रस्त होने के कारण विद्यालय प्रबंधन द्वारा पूर्व में ही तारबंदी कर उक्त स्थान पर आवाजाही रोक रखी थी, जिसके चलते कोई अनहोनी नहीं हुई।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार दशोरा ने बताया कि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी भूपालसागर ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाशमा के बरामदे की पट्टियां टूटकर गिरने का घटनाक्रम हुआ। जिसकी जांच हेतु समग्र शिक्षा चित्तौड़गढ़ के तकनीकी दल सहायक अभियंता रणजीत सिंह गोदारा, कनिष्ठ अभियंता निखिल शर्मा तथा कनिष्ठ अभियंता अजय कुमार जेथलिया की टीम गठित कर विद्यालय भवन, क्षतिग्रस्त बरामदे का मौका निरिक्षण किया गया। जिसमें बरामदे छत की पांच पट्टियां टूट हुई पाई गयी।

सहाड़ा पंचायत समिति व गंगापुर नगर पालिका में जनसुनवाई में ग्रामीणों की समस्या का हुआ समाधान

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

सहाड़ा पंचायत समिति व गंगापुर नगर पालिका में सहाड़ा विधायक लादू लाल पितलिया ने की जनसुनवाई में आए परिवादो पर अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। आमजन की समस्याओं का समाधान करने के लिए जनसुनवाई का आयोजन किया गया। उल्लाई ग्राम पंचायत में गरीब भील परिवार की जमीन पर प्रभावशाली लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लेने के मामले हैं में विधायक ने गंगापुर थाना प्रभारी लीलाधर मालवीय को जबरन कब्जा करने वाले लोगों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

महेंद्रगढ़ ग्राम पंचायत के पाबू नगर में 11 हजार केवी की लाइन को गांव के बिच से हटाकर मकानों के पिछे शिफ्ट करने के लिए बिजली विभाग के अधिकारी को निर्देश जारी किए गए।

गंगापुर नगर पालिका में मिल गेट से डाक बंगला तक 5 वर्ष से निर्माण धिन सड़क को तत्काल पूर्ण करने की मांग की गई। विधायक ने नगर पालिका को निर्माण कार्य शीघ्र

करवाने के निर्देश जारी किए। नगर पालिका सफाई कर्मचारियों द्वारा कड़ी धूप के चलते दिन में एक बार ही सफाई करवाने की मांग की गई, लेकिन उपखंड अधिकारी गुर्जर ने हिटवे के चलते दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सफाई कार्य नहीं करवाने के निर्देश जारी किए। वही रीको एरिया में स्थित बालाजी कॉलोनी में पानी भरने की समस्या का समाधान करने की कॉलोनीवासियों द्वारा मांग की गई। जिस पर अधिकारियों को कॉलोनी की समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। आमली रोड आईआईटी के सामने पालिका की बेस कीमती भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को तत्काल प्रभाव से हटाने के नगर पालिका अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए गए। बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगापुर में डीएमएफटी फंड से बालिका के लिए हॉल की मांग पर जल्दी दिलवाने का आश्वसन दिया गया। जनसुनवाई के दौरान उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर, सहाड़ा तहसीलदार विरेन्द्र सिंह राठौड़, विकास अधिकारी सहाड़ा गजेंद्र सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका गंगापुर पंकज कुमार मगंल, थाना प्रभारी लीलाधर मालवीय,एईएन बिजली विभाग बिजेंद्र सिंह, एईएन जलदाय विभाग, एईएन सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित सहाड़ा ब्लाक के अधिकारी व क्षेत्र के ग्रामीण उपस्थित थे।

सूरौठ में निजी शिक्षक संगठन का पांच जिलों का शैक्षिक सम्मेलन आयोजित

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

यूनिक निजी शिक्षक संगठन राजस्थान के तत्वावधान में भाग्यश्री क्लासेज सूरौठ के कैंपस में प्रथम निजी शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया। मास्टर प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन में करौली, दौसा, भरतपुर समेत 5 जिलों के 200 से अधिक निजी शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने निजी शिक्षकों की जॉब सिक्योरिटी, न्यूनतम वेतन और पीएफ ईएसआई की मांग प्रमुखता से उठाई। सम्मेलन में निजी शिक्षकों को कर्मचारी का दर्जा देने, बिना जांच व 3 महीने का नोटिस दिए नौकरी से न निकालने, 5 साल सेवा पूरी करने पर ग्रेच्युटी का भुगतान करने, हर महीने की 5 तारीख तक बैंक खाते में सैलरी ट्रांसफर करने, साल में 12 सीएल, 15 मेडिकल लीव व सरकारी छुट्टियों की सुविधा देने, महिला शिक्षकों के लिए 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश पूरी सैलरी के साथ देने, मई-जून की छुट्टियों का पूरा वेतन देने, निजी शिक्षकों की शिकायत के लिए जिला स्तर पर सुरक्षा आयोग बनाने तथा समान कार्य-समान वेतन देने की मांग निजी शिक्षकों की ओर से की गई।

500 करोड़ से बून्दी के विकास को मिलेगी नई दिशा- बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ने 49 करोड़ के विकास कार्यों की दी सौगात

स्मार्ट हलचल | बून्दी

लोकसभा अध्यक्ष गुरुवार को बून्दी के दौरे पर रहे, जहां उन्होंने करीब 48.98 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान टाउन हॉल में आयोजित 'बून्दी विकास मंथन' कार्यक्रम में शहर के प्रबुद्धजनों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों से बून्दी के समग्र विकास को लेकर सुझाव भी लिए गए। कार्यक्रम में बून्दी में प्रस्तावित लगभग 500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। अपने संबोधन में बिरला ने कहा कि 'बून्दी केवल अतीत की विरासत बनकर न रहे, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का भी केंद्र बने ', इसी उद्देश्य से शहर के विकास का एक व्यापक ब्लूप्रिन्ट तैयार किया गया है, जिसे अब चरणबद्ध तरीके से धरातल पर उतारा जाएगा।

औद्योगिक और पर्यटन विकास पर जोर

ओम बिरला ने कहा कि बून्दी अब औद्योगिक क्रांति के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने बताया कि तालेड़ा क्षेत्र में हजारों करोड़ रुपये के निवेश धरातल पर उतर चुके हैं और आने वाले समय में देशी-विदेशी पर्यटकों का आकर्षण इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और पहचान को नई ऊंचाई देगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे, आधुनिक रेलवे स्टेशन और प्रस्तावित कोटा-बून्दी एयरपोर्ट जैसी परियोजनाएं क्षेत्र को देश के बड़े आर्थिक और पर्यटन मानचित्र से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

खेल और युवाओं के लिए नई संभावनाएं

स्पीकर बिरला ने बून्दी के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिक खेल सुविधाएं युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं को बेहतर खेल संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

विरासत संरक्षण के साथ आधुनिक विकास

उन्होंने कहा कि 'विरासत के साथ विकास' के मूलमंत्र पर कार्य करते हुए शहर के ऐतिहासिक द्वारों, बावड़ियों, छतरियों, परकोटा क्षेत्र और प्रमुख धरोहरों का संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा। फसाड लाइटिंग, हेरिटेज वॉकवे और पर्यटन सुविधाओं के विस्तार से भविष्य में शाम के समय पूरा बून्दी स्वर्णिम आभा में दमकता नजर आएगा। इसके साथ ही शहर की आधारभूत संरचना को आधुनिक स्वरूप देने के लिए प्रमुख सड़कों का उन्नयन, भूमिगत विद्युत लाइनें, बेहतर ड्रेनेज सिस्टम, पार्कों का विकास, चौपाटी, अंडरग्राउंड पार्किंग और अन्य आधुनिक शहरी सुविधाओं पर भी कार्य किया जाएगा।

इन विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण

इस अवसर पर यूथ हॉस्टल, बून्दी-दलेलपुरा सड़क, बालक एवं बालिका छात्रावास, वर्किंग वूमन हॉस्टल तथा आयुष अस्पताल सहित लगभग 49 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में विधायक हरिमोहन शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, पूर्व विधायक अशोक डोगरा, नगर परिषद निवर्तमान चेयरमैन सरोज अग्रवाल तथा जिला कलक्टर हरफूल यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बून्दी विकास मंथन कार्यक्रम में बिरला के साथ कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा को देख हतप्रभ रह गये लोग

स्मार्ट हलचल | बून्दी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की ओर से गुरूवार को नगर परिषद टाऊन हॉल में आयोजित बून्दी विकास मंथन कार्यक्रम में जब ओम बिरला के साथ कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा आये तो टाऊन हॉल में मौजूद सैकड़ों लोग हतप्रभ रह गये। जहां भाजपाई आपस में कानाफूसी करने लगे तो आमजन जिस उद्देश्य को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने बैठक बुलाई थी उसमें विधायक शर्मा को देखकर खुश नजर आये। मंच पर भी बिरला व शर्मा पास पास बैठे और गुत्तगूं करते दिखाई दिये ।

बून्दी विधायक हरिमोहन शर्मा ने टाऊन हॉल की सराहना करते हुए कहा कि इसका शिलान्यास मैंने किया था और उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने। शर्मा ने कहा कि टाऊन हॉल में आने का उनका यह पहला अवसर है। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि राजनीतिक विचारधारा भले अलग हो लेकिन बून्दी के विकास के लिए वह राजनीति से हटकर सहयोग करने की मंशा रखते है। उन्होंने बिरला के 500 करोड़ रूपये के बून्दी विकास के ब्लू प्रिंट की सराहना करते हुए मॉनीटरिंग की आवश्यकता पर जोर दिया।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा कि लोकतंत्र में सबको अपनी बात कहने का हक है। उन्होंने कहा कि आलोचनाओं से विकास कार्यों को ओर अधिक प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन करने में मदद मिलती है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि कोटा हवाई अड्डे का नाम कोटा बून्दी रखना उनकी प्राथमिकता थी लेकिन इसको भी राजनीतिक रूप देने की कोशिश की गई। लोकसभा अध्यक्ष के साथ विधायक हरिमोहन शर्मा ने बून्दी विकास के लिए 500 करोड रूपये के ब्लू प्रिंट को देखा।

नगर परिषद जिला कलेक्टर के निर्देश के बाद अब आई एक्शन मोड़ में

दुकान एवं रेहड़ी के बाहर डस्टबिन नहीं रखा तो लगेगा जुर्माना

स्मार्ट हलचल | बूंदी

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए बूंदी नगर परिषद द्वारा सड़कों पर गंदगी फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। नगर परिषद ने शहर के सभी व्यवसायियों और दुकानदारों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्रतिष्ठानों के बाहर अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखें। नगर परिषद की ओर से जारी सार्वजनिक अपील में चाय, कचौरी, पोहा, फास्ट फूड और फल विक्रेताओं तथा संचालकों को हिदायत दी गई है।

नगर परिषद आयुक्त आशा मीणा ने बताया कि अक्सर खाने-पीने की दुकानों और ठेलों के आसपास कचरा अधिक फैलता है। ऐसे में शहर की सुंदरता को बनाए रखने और गंदगी को खत्म करने के लिए प्रत्येक दुकानदार को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और अपनी दुकान के ठीक सामने डस्टबिन रखना सुनिश्चित करना होगा।

नियम के उल्लंघन पर कटेगा चालान

आयुक्त ने बताया कि यदि किसी दुकानदार, व्यवसायी या संचालक द्वारा इन निर्देशों का उल्लंघन किया जाता है और उनके प्रतिष्ठान के बाहर डस्टबिन नहीं पाया जाता है, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। ऐसे लापरवाह दुकानदारों पर नगर परिषद अधिनियम 2009 के तहत नियमानुसार भारी जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने सभी व्यापारियों से अपील की है कि वे जुर्माने की कार्रवाई से बचें और शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने के इस पुनीत कार्य में नगर परिषद का पूरा सहयोग करें।

हाईकोर्ट की सख्ती से पंचायत-निकाय चुनाव की राह साफ, 31 जुलाई तक चुनाव कराने का आदेश

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा पंचायत एवं स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर दिए गए एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद प्रदेश की सियासत पूरी तरह गरमा गई है। माननीय न्यायालय ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को कड़े निर्देश देते हुए आगामी 31 जुलाई तक हर हाल में पंचायत और निकाय चुनाव संपन्न कराने का आदेश दिया है। कांग्रेस ने अदालत के इस फैसले का पुरजोर स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र और संविधान की बड़ी जीत बताया है।

ब्यावर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी मनोज चौहान ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लगातार लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को पंगु बनाने की कोशिश कर रही थी और जनता के बीच बढ़ती नाराजगी

व हार के डर से स्थानीय चुनावों को जानबूझकर टाला जा रहा था। चौहान ने कहा, 'लोकतंत्र में जनता को समय पर अपने प्रतिनिधि चुनने का संवैधानिक अधिकार है। पंचायत और निकाय चुनाव हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद हैं, लेकिन राज्य सरकार ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस पूरी प्रक्रिया को बाधित किया। हाई कोर्ट ने अपने फैसले से यह साफ कर दिया है कि लोकतंत्र में चुनावों को टालना कतई स्वीकार्य नहीं है। '

उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता बूथ स्तर तक लोकतंत्र को बचाने का संघर्ष कर रहे हैं और यह फैसला उसी संघर्ष का परिणाम है। स्थानीय निकाय सिर्फ प्रशासनिक इकाइयां नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा हैं, जिनके ठप होने से विकास कार्य रुक जाते हैं।

कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर

हाई कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले के बाद ब्यावर और आसपास के क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं ने खुशी जाहिर की है। फैसले का स्वागत करने वालों में वरिष्ठ नेता प्रवीण जैन, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष इशिका जैन, जिला प्रवक्ता एडवोकेट रामस्वरूप सेवालिया, महासचिव राजेश शर्मा, चेतन सांखला, टीकम सिंह कड़ीवाल, नगर कांग्रेस अध्यक्ष भारत बाघमार, जवाजा ब्लॉक अध्यक्ष धर्म सिंह भाटी, आरजीपीआरएस प्रदेश सचिव शैलेश शर्मा, जिला अध्यक्ष राम यादव और ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश लखन प्रमुख रूप से शामिल रहे।

इसके साथ ही निवर्तमान पार्षद राजेंद्र तुनगरिया, भरत बांदीवाल, राकेश साहू, भुवनेश शर्मा, जीवराज जावा, गिरधारी लाल पोपावत, विकास दगदी, रामनिवास सेन, अजय स्वामी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अशोक रांका, हर नारायण हैड़ा, देवकरण शर्मा और पर्यावरण प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र काठात सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने इस निर्णय को प्रदेश के विकास और जनता के अधिकारों की बहाली के लिए जरूरी कदम बताया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्थानीय निकायों के इन चुनावों को विधानसभा का 'सेमीफाइनल' माना जाता है, ऐसे में हाई कोर्ट के इस आदेश के बाद आने वाले दिनों में राजस्थान की राजनीतिक सरगर्मियां बेहद तेज होने वाली हैं।

श्री कल्याणराय भगवान एवं नर्मदेश्वर महादेव जी का पाटोत्सव

स्मार्ट हलचल

सांगोद। 22 मई को प्रातःकाल मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक एवं महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसके पश्चात नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भगवान की आकर्षक झांकी, बैंड-बाजे, जय श्री राम और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और हाथों में धार्मिक ध्वज लेकर नगर भ्रमण किया। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान भक्तों के लिए प्रसाद वितरण भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरा नगर धर्ममय वातावरण में रंगा नजर आया और भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

संभागीय आयुक्त का सख्त संदेश जनता के कामों में नहीं चलेगी ढिलाई, शीघ्र हो आमजन के कार्य

स्मार्ट हलचल

लाखेरी। शुक्रवार को संभागीय आयुक्त अनिल अग्रवाल ने लाखेरी उपखंड का निरीक्षण किया, जहां उपखंड कार्यालय में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद संभागीय आयुक्त ने उपखंड कार्यालय का गहन निरीक्षण करते हुए भूमि अवाप्ति, राजस्व शाखा सहित विभिन्न विभागों और डेस्कों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को साफ शब्दों में निर्देश दिए कि आमजन के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही और पेंडेंसी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संभागीय आयुक्त ने परिवादियों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। वहीं कार्यालय में अनावश्यक रूप से जल रही बिजली को देखकर उन्होंने नाराजगी जताई और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग पर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जनता को समय पर राहत मिलनी चाहिए और सरकारी कार्यालयों में जवाबदेही हर हाल में तय होनी चाहिए। इसी दौरान लाखेरी अभिभाषक परिषद ने

संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए एसीसी सीमेंट फैक्ट्री में बंद पड़े उत्पादन को जल्द शुरू करवाने की मांग की। परिषद ने बताया कि पिछले दो महीनों से उत्पादन ठप होने के कारण हजारों मजदूरों, कर्मचारियों और व्यापारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। फैक्ट्री बंद होने से लाखेरी के बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है और छोटे व्यापारियों की हालत लगातार खराब होती जा रही है।

अभिभाषक परिषद ने राज्य सरकार और कंपनी प्रबंधन स्तर पर हस्तक्षेप कर जल्द समाधान निकालने की मांग उठाई, ताकि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियां दोबारा पटरी पर लौट सकें।

वहीं लाखेरी के मीडिया कर्मियों ने भी संभागीय आयुक्त के सामने पापड़ी आरओबी, हाई लेवल पुलिया निर्माण, एसीसी फैक्ट्री संचालन और शहर में लगातार बढ़ रही चोरियों जैसे प्रमुख मुद्दों को उठाते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की।

उपखंड कार्यालय निरीक्षण के बाद संभागीय आयुक्त समर्थन मूल्य पर चल रही तुलाई व्यवस्था का निरीक्षण करने पहुंचे और बाद में लबान में आयोजित रात्रि चौपाल के लिए रवाना हो गए। इस दौरान उपखंड अधिकारी सुरेन्द्र चौधरी, तहसीलदार रामभरोस मीणा, जगदीश शर्मा, थानाधिकारी सुभाष शर्मा, अधिशाषी अधिकारी नरेश राठौर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रयागराज-दादर ग्रीष्मकालीन सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस का संचालन

स्मार्ट हलचल | कोटा

यात्रियों की ग्रीष्मकालीन अवकाश में बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा प्रयागराज-दादर-प्रयागराज के मध्य ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 04139 (प्रयागराज-दादर) दिनांक 22.05.2026 से 10.07.2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को 08 फेरों में प्रयागराज से सायं 17.10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन शनिवार को बयाना जंक्शन 04.08 बजे, गंगापुर सिटी जंक्शन 05.00 बजे, सवाई माधोपुर जंक्शन 05.40 बजे, कोटा जंक्शन 06.50 बजे होते हुए उसी दिन रात्रि 22.40 बजे दादर पहुँचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04140 (दादर-प्रयागराज) दिनांक 24.05.2026 से 12.07.2026 तक प्रत्येक रविवार को 08 फेरों में दादर से रात्रि 00.15 बजे प्रस्थान कर उसी दिन कोटा जंक्शन 14.00 बजे, सवाई माधोपुर जंक्शन 15.00 बजे, गंगापुर सिटी जंक्शन 16.05 बजे, बयाना जंक्शन 17.30 बजे, होते हुए अगले दिन सोमवार को प्रातः 05.00 बजे प्रयागराज पहुँचेगी।

यह गाड़ी रास्ते में दोनों दिशाओं में प्रयागराज जंक्शन, फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा जंक्शन, टूंडला जंक्शन, ईदगाह आगरा जंक्शन, फतेहपुर सीकरी, रूपबास, बयाना जंक्शन, गंगापुर सिटी जंक्शन, सवाई माधोपुर जंक्शन, कोटा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, वडोदरा जंक्शन, सूरत, वापी, बोरीवली स्टेशनों पर ठहराव लेकर गंतव्य को जाएगी।

इस विशेष गाड़ी में 08 सामान्य श्रेणी, 09 शयनयान श्रेणी, 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी तथा 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी सहित कुल 24 डिब्बे होंगे।

दो दिवसीय निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर जावटी कला में

स्मार्ट हलचल | बूंदी

होम्योपैथिक जिला नोडल अधिकारी डॉ मुकेश कुमार मीना ने बताया कि होम्योपैथिक चिकित्सा निदेशालय जयपुर के आदेशानुसार आम जनता को होम्योपैथिक चिकित्सा उपलब्ध करवाने के लिए दो दिवसीय निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर, पंचायत परिसर अटल सेवा केंद्र जावटी कला,बूंदी में आयोजित किया जा रहा है, कैंप में निम्नांकित रोगों का,चर्म रोग,अस्थमा, बालों का झड़ना, माइग्रेन, बच्चों की बीमारियां, उदर रोग, गुर्दे की पथरी, प्रोस्टेट, मातृ एवं शिशु संबंधित रोग, पुरानी खांसी, मानसिक बीमारियां, कान की बीमारियां, घुटने दर्द, कमर दर्द, सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस, बच्चों में बार-बार होने वाला निमोनिया, कुपोषण, पाइल्स, फिस्टुला,मस्से, गर्मी में लू लगने के कारण चक्कर आना, सिर दर्द, उल्टी दस्त, चेहरे पर झाइयां होना, कील मुंहासे, का इलाज होम्योपैथिक चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ मुकेश कुमार मीना, डॉ अंजुम सोलंकी द्वारा निशुल्क किया गया, योगेश नारायण जोशी,कंपाउंडर उपस्थित रहें। आज कैंप में 126 मरीज का निशुल्क इलाज किया गया। आम जनता से अपील है कल भी कैंप में पहुंचकर निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का लाभ लेवे।

मंडावर नर्सरी में हरियाली का महाअभियान, 90 हजार पौधे तैयार

वन विभाग की बड़ी तैयारी, जुलाई माह से शुरू होगा पौधों का वितरण, टॉपर योजना के तहत 80 हजार और एसएफडीए योजना के तहत 10 हजार पौधे तैयार

स्मार्ट हलचल

मंडावर। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने को लेकर वन विभाग ने इस वर्ष मंडावर क्षेत्र में बड़े स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। बढ़ते तापमान, लगातार घटती हरियाली और बदलते पर्यावरणीय हालात के बीच मंडावर नर्सरी इस बार हरियाली के बड़े केंद्र के रूप में उभरकर सामने आई है। नर्सरी में कुल 90 हजार पौधे तैयार किए गए हैं, जिनका वितरण आगामी जुलाई माह से शुरू किया जाएगा।

नर्सरी प्रभारी भगवान सहाय मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि मंडावर नर्सरी में इस बार रिकॉर्ड स्तर पर पौधे तैयार किए गए हैं। इनमें 80 हजार पौधे टॉपर योजना के तहत तथा 10 हजार पौधे एसएफडीए योजना के अंतर्गत तैयार किए गए हैं। सभी पौधों की नियमित देखभाल की जा रही है ताकि बारिश के मौसम में लोगों को अच्छे और स्वस्थ पौधे उपलब्ध कराए जा सकें।

वन विभाग द्वारा इस बार विशेष रूप से ऐसे पौधों को प्राथमिकता दी गई है जो पर्यावरण संरक्षण के साथ लोगों के लिए उपयोगी भी साबित हों। नर्सरी में छायादार, फलदार और औषधीय पौधों की विभिन्न प्रजातियां तैयार की गई हैं। इन पौधों के माध्यम से क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार जुलाई माह में बारिश शुरू होते ही मंडावर क्षेत्र

के गांवों, स्कूलों, सरकारी कार्यालयों, पंचायतों, सामाजिक संगठनों और किसानों को पौधों का वितरण किया जाएगा। विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण अभियान से जोड़ना है ताकि क्षेत्र में बड़े स्तर पर पौधे लगाए जा सकें।

वन विभाग का मानना है कि बढ़ती गर्मी और प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपाय है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार व्यापक स्तर पर पौध तैयार किए गए हैं। विभाग द्वारा लोगों को पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल के लिए भी जागरूक किया जाएगा ताकि लगाए गए पौधे सुरक्षित रह सकें और भविष्य में बड़े वृक्ष बनकर पर्यावरण को लाभ पहुंचा सकें।

नर्सरी प्रभारी भगवान सहाय मीना ने कहा कि आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाए। यदि हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे तो आने वाले वर्षों में क्षेत्र का वातावरण पूरी तरह बदल सकता है।

मंडावर नर्सरी में तैयार किए गए 90 हजार पौधों को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग पौधारोपण अभियान से जुड़ने की तैयारी कर रहे हैं। वन विभाग को उम्मीद है कि इस वर्ष मंडावर क्षेत्र में रिकॉर्ड स्तर पर वृक्षारोपण होगा और आने वाले समय में क्षेत्र हरियाली से आच्छादित नजर आएगा।

वन विभाग की यह पहल केवल पौधे वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण तैयार करना भी है। मंडावर नर्सरी का यह अभियान क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी पहल माना जा रहा है।

संगीतमय सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ आज

स्मार्ट हलचल

पुष्कर/ अजमेर। धार्मिक नगरी पुष्कर में शनिवार को माहेश्वरी सेवा सदन में स्वर्गीय धन्नालाल मंत्री की प्रेरणा से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महात्म्य शुभारंभ होगा । यह जानकारी देते हुए भीलवाड़ा के शिक्षाविद नरेंद्र पाराशर ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा कथावाचक भागवत रसिक संत श्रद्धेय अवधेशदास महाराज , श्री केशव गोपाल सॉपला एवं श्री केशव गोपाल आध्यात्म पीठ सांपला द्वारा व्यासपीठ से भक्तों को श्रवण करायेंगे । कथा से पूर्व प्रातः विशाल कलश यात्रा मुख्य गऊएँ घाट से प्रारंभ होकर कथा स्थल पहुँचेगी। व्यासपीठ से महाराज प्रथम दिवस श्रीमद् भागवत महात्म्य के बारे मैं बतायेंगे ।

पाराशर ने बताया कि कथा की तैयारियाँ पूर्ण की जा चुकी हैं । कथा का लाइव प्रसारण किया जाएगा । कथा पांडाल तैयारियाँ किया जा चुका है । जिसमें आने वाले श्रद्धालुओं की पूर्ण व्यवस्था होगी एवं गर्मी से राहत भी मिलेगी ।

पाराशर ने यह भी बताया कि कथा के आमंत्रण हेतु पुष्कर के सभी आश्रम के संत महन्तों को भी बुलावा दिया गया है । कथा प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर से रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कोच केयर कॉम्पलेक्स का भी जैसलमेर का किया शुभारम्भ

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर रेल मंडल अंतर्गत जोधपुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार के रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राजस्थान को रेल सेवाओं और परियोजनाओं की सौगात दी।

इस अवसर पर गाड़ी संख्या 04871, जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस की डिब्बा संरचना को 8 कोच से बढ़ाकर 20 कोच किए जाने तथा साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस रेलसेवा का जैसलमेर तक विस्तार सहित कोच केयर कॉम्पलेक्स, जैसलमेर का शुभारम्भ किया गया। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नियमित गाड़ी संख्या 26481/26482, जोधपुर-दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा में दिनांक 24.05.2026 से 02 एक्जीक्यूटिव चेयरकार, 16 वातानुकूलित चेयरकार एवं 02 ड्राइवर पावर कार सहित कुल 20 कोच रहेंगे। इससे यात्रियों को अधिक सीट उपलब्ध होंगी तथा यात्रा सुविधा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे विश्वस्तरीय सुविधाओं की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि रेल केवल परिवहन का साधन नहीं बल्कि देश की जीवनरेखा है तथा पिछले 12 वर्षों में भारतीय रेलवे में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि राजस्थान और विशेषकर जोधपुर को रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने विगत समय में बहुत सी सौगातें प्रदान की है, जिससे मारवाड़ क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं। श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जोधपुर, पोखरण और आस पास के क्षेत्रों में रेल कार्यों के लिए भी रेल मंत्री जी का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी रेल कार्यों के लिए रेल मंत्री जी का सहयोग हमेशा मिलता रहेगा। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री जी के ऊर्जा बचत के आह्वान का भी उल्लेख किया और सभी से इसमें सहयोग की अपील की।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के प्रवासियों की लंबे समय से अधिक रेल सेवाओं की मांग रही है, जिसे ध्यान में रखते हुए चेन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित कई प्रमुख शहरों के लिए नई रेल सेवाएं प्रारम्भ की गई हैं। उन्होंने बताया कि जोधपुर में बनने वाला कोचिंग टर्मिनल रेलवे विकास में मील का पत्थर साबित होगा तथा भविष्य में देशभर से नई ट्रेनों के संचालन में सुविधा होगी। भगत की कोठी में वंदे भारत स्लीपर टर्मिनल भी विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले 10 महीनों में जोधपुर से हरिद्वार के लिए नई रेलसेवा प्रारम्भ करने की तैयारी चल रही है। राजस्थान में रेलवे विकास हेतु वर्तमान में लगभग 10,000 करोड़ का रिकॉर्ड बजट दिया जा रहा है, जबकि पूर्व में यह राशि मात्र 700-800 करोड़ थी। रेल मंत्री ने बताया कि राजस्थान में धांगरा-बांदीकुई, अजमेर-चित्तौड़गढ़, लूनी-भिलड़ी, रेवाड़ी-खाटूवास एवं सवाई माधोपुर-जयपुर रेलखंडों पर डबलिंग कार्य प्रगति पर है। वहीं मारवाड़ जंक्शन-मावली गेज कन्वर्जन, टनल निर्माण एवं नई रेल लाइनों का कार्य भी तीव्र गति से किया जा रहा है। पुष्कर एवं अंबाजी को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने हेतु नई रेल लाइन परियोजनाओं पर भी कार्य जारी है।

बेहतर रेल सुविधाओं के साथ बेहतर भविष्य की ओर

मंत्रियों द्वारा जैसलमेर में 67 करोड़ की लागत से निर्मित नवनिर्मित कोच केयर कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन भी किया गया। इस परियोजना से ट्रेनों की मेंटेनेंस क्षमता में वृद्धि होगी, अधिक ट्रेनों का संचालन संभव होगा तथा यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं प्राप्त होंगी। स्वर्ण नगरी जैसलमेर पर्यटन एवं सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सोनार किला, पटवों की हवेली, बड़ा बाग एवं थार मरुस्थल देश-विदेश के पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण केंद्र हैं। नई रेल सुविधा से जैसलमेर की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही चिकित्सा एवं शिक्षा हेतु जोधपुर एवं अहमदाबाद जाने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। रेल मंत्री ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति, विरासत एवं शौर्य की झलक अब रेलवे स्टेशनों पर भी दिखाई देगी। जैसलमेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पूर्ण हो चुका है, तथा लोगों से आग्रह किया कि एक बार जैसलमेर का स्टेशन ज़रूर देख कर आए। जयपुर स्टेशन को पिंक सिटी थीम पर विकसित किया जा रहा है तथा पाली स्टेशन का निर्माण कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि अब रेलवे स्टेशन शहर के पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान में 25 गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें से 12 पूर्ण हो चुके हैं। इन परियोजनाओं से व्यापार, पर्यटन एवं यात्रियों को व्यापक लाभ मिलेगा।

साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस का जैसलमेर तक विस्तार

गाड़ी संख्या 20486, साबरमती-जैसलमेर प्रतिदिन सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा को वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह गाड़ी दिनांक 23.05.2026 से साबरमती से प्रातः 07.00 बजे रवाना होकर जोधपुर स्टेशन पर 14.40 बजे आगमन एवं 14.50 बजे प्रस्थान कर 20.30 बजे जैसलमेर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 20485, जैसलमेर-साबरमती प्रतिदिन सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 23.05.2026 से जैसलमेर से प्रातः 06.30 बजे रवाना होकर जोधपुर स्टेशन पर 11.40 बजे आगमन एवं 11.50 बजे प्रस्थान कर रात्रि 20.00 बजे साबरमती पहुंचेगी। कार्यक्रम के अंत में रेल मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद राजस्थान को 200 से अधिक नई रेल सेवाओं का लाभ मिलेगा तथा राज्य रेलवे विकास के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, बिलाड़ा विधायक अर्जुन राम गर्ग, विधायक फलौदी पब्बाराम राम बिश्नोई, शहर विधायक अतुल भंसाली, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ सहित मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि अधिकारी प्रेस मीडिया मौजूद रहे।

डॉ. केएन मोदी यूनिवर्सिटी के दो अधिकारी 20 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

परीक्षा प्रवेश पत्र जारी करने सहित अनुपस्थिति से जुड़े मामले को सेटल करने की एवज में मांगी गई थी रिश्वत

स्मार्ट हलचल

टोंक/निवाई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) टोंक की टीम ने एएसपी ऋषिकेश मीणा के नेतृत्व में शुक्रवार को बनस्थली निवाई स्थित डॉ. केएन मोदी यूनिवर्सिटी में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अधिकारियों को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कार्रवाई के बाद यूनिवर्सिटी परिसर में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार एसीबी टोंक इकाई की टीम ने केएन मोदी यूनिवर्सिटी के बोर्ड विभाग की एचओडी मीनू मंगल एवं प्रोफेसर रमेश मीणा को रिश्वत लेते हुए दबोचा।आरोप है कि दोनों आरोपी अधिकारी बीएड परीक्षा प्रवेश पत्र जारी करने सहित छात्रों की अनुपस्थिति से जुड़े मामले को सेटल करने की एवज में रिश्वत की मांग कर रहे थे। परिवादी छात्र की शुक्रवार को परीक्षा थी, लेकिन आरोपियों द्वारा प्रवेश पत्र जारी नहीं कर 23 हजार रुपए की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी टोंक टीम ने तत्काल सत्यापन किया, जिसमें मामला सही पाया गया। इसके बाद एसीबी ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी टोंक के एएसपी ऋषिकेश मीणा के नेतृत्व में टीम ने दोनों आरोपियों को यूनिवर्सिटी परिसर से रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।कार्रवाई के दौरान आवश्यक दस्तावेज एवं अन्य साक्ष्य भी जुटाए गए हैं।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार आरोपियों से पूछताछ जारी है तथा मामले में अन्य लोगों की संदिग्ध भूमिका की भी जांच की जा रही है। कार्रवाई के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन और कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। एसीपी की टीम ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान शुरू कर दिया है, जिसे एसीबी द्वारा शनिवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

10 लाख की अवैध शराब के साथ ट्रेलर जब्त, एक तस्कर गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस ने अवैध शराब तस्करों के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। जवाजा थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक ट्रेलर से 14 अलग-अलग ब्रांड की कुल 163 पेटी अवैध शराब बरामद की है। जब्त की गई शराब की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से शराब और तस्करी में इस्तेमाल ट्रेलर को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुई कार्रवाई

यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनियां और वृताधिकारी (ब्यावर) राजेश कसाना के निकटतम सुपरविजन में की गई। जवाजा थानाधिकारी डॉ. नवल किशोर (पुलिस निरीक्षक) के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया।

इस तरह खुली तस्करी की पोल (घटना विवरण)

मुखबिर से मिली थी सूचनाः 22 मई 2026 को जवाजा थाना पुलिस को मुखबिर के जरिए अवैध शराब की तस्करी की पक्की सूचना मिली थी। थाने के सामने नाकाबंदीः सूचना मिलते ही पुलिस टीम द्वारा कलात खेड़ा तिराहे, जवाजा थाने के सामने तुरंत सख्त नाकाबंदी की गई। सफेद पाउडर के कट्टों में छिपाई थी शराबः नाकाबंदी के दौरान देवाता चौराहे की तरफ से आ रहे एक ट्रेलर को रुकवाकर चेक किया गया। शुरुआत में ट्रेलर की ट्रॉली में सफेद पाउडर से भरे कट्टे दिखाई दिए। गहनता से जांच में हुआ खुलासाः जब पुलिस टीम ने शक के आधार पर पाउडर के कट्टों को ऊपर-नीचे हटाकर गहराई से चेक किया, तो उनके बीच छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई। गिनती करने पर अलग-अलग 14 ब्रांड की कुल 163 पेटियां पाई गईं।

आरोपी गिरफ्तार, आबकारी एक्ट में मामला दर्ज

पुलिस ने अवैध शराब और तस्करी में प्रयुक्त ट्रेलर को जब्त कर आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार मुलजिमः महेन्द्र सिंह (उम्र 40 साल), पुत्र श्री पूनम सिंह, जाति रावत, निवासी नयागांव सारोठ, पुलिस थाना बार, जिला ब्यावर। दर्ज मुकदमाः पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जवाजा थाने में मुकदमा नंबर 135, दिनांक 22.05.2026, धारा 19/54 (राजस्थान आबकारी अधिनियम) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में आगे का अनुसंधान (जांच) जारी है।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम इस सफल कार्रवाई में मुख्य रूप से निम्नलिखित पुलिसकर्मी शामिल रहे। डॉ. नवल किशोर (पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी पुलिस थाना जवाजा, जिला ब्यावर),जयसिंह (सहायक उप-निरीक्षक - सउनि), विजय कुमार (कांसटेबल नंबर 2704 - विशेष योगदान),राजेश कुमार (कांसटेबल नंबर 2623 - विशेष योगदान), लेखराज (कांसटेबल नंबर 766), भवानी सिंह (ड्राइवर कांसटेबल नंबर 1026),सुशील कुमार (कांसटेबल नंबर 367)

18 वर्षों से फरार स्थाई वारंटी जयपुर से गिरफ्तार

नागौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, वर्ष 2008 से चल रहा था वांछित

स्मार्ट हलचल

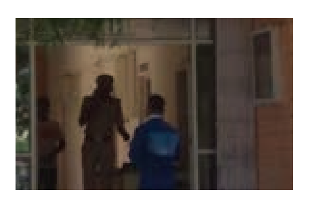

नागौर। पुलिस थाना कोतवाली नागौर द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 18 वर्षों से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के अलग-अलग मामलों में न्यायालय द्वारा कुल पांच स्थाई वारंट जारी किए गए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागौर आशाराम चौधरी के निर्देशन तथा वृत्त नागौर के सहायक पुलिस अधीक्षक जतिन जैन के सुपरविजन में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस थाना कोतवाली नागौर के थानाधिकारी वेदपाल शिवराण के नेतृत्व में गठित टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए स्थाई वारंटी राजेशसिंह उर्फ राजेन्द्रसिंह को जयपुर से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी राजेशसिंह उर्फ राजेन्द्रसिंह पुत्र श्री प्रेमसिंह शेखावत, निवासी बरडवा तहसील डीडवाना जिला डीडवाना-कुचामन, वर्ष 2008 से फरार चल रहा था। आरोपी के खिलाफ माननीय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट नागौर न्यायालय द्वारा धोखाधड़ी के विभिन्न प्रकरणों में कुल पांच स्थाई वारंट जारी किए गए थे।

दिनांक 21 मई 2026 को थाना हाजा की टीम में शामिल कांस्टेबल राकेश एवं कांस्टेबल नरेन्द्र ने आरोपी को जयपुर से दस्तयाब कर गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में चल रहे अपराधियों की धरपकड़ अभियान की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में वांछित एवं फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

29 मई को जाट समाज के सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक हुई

स्मार्ट हलचल

मनोहरपूर। आगामी 29 मई, 2026 को महाराजा सूरजमल महाविद्यालय अजबपुरा में आयोजित होने वाले जाट समाज के सम्मेलन की तैयारी बैठक का आयोजन जाट समाज चौरासी के अध्यक्ष श्री बाबूलाल रूंडला की अध्यक्षता में किया गया इस मीटिंग में चौरासी परिक्षेत्र के समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की सफलता को लेकर सकारात्मक सुझाव और राय रखी।

आप सबके सहयोग से यह कार्यक्रम बहुत ही भव्य और अब तक का सबसे शानदार होगा तथा समाज हित में एक मील का पत्थर साबित होगा। आप सभी से निवेदन है कि समाज के समस्त महानुभावों को इस कार्यक्रम में भाग लेने हेतु प्रेरित करें और प्रत्येक व्यक्ति 29 मई, 2026 को समाज के कार्यक्रम में भाग लेकर समाजहित में अपनी बात रखें कार्यक्रम को लेकर प्रत्येक के पंचायत में समाज बंधुओ से संपर्क किया जाएगा मीटिंग में श्री धन्ना भगत जाट समाज धर्मशाला ट्रस्ट अध्यक्ष नरसिंह लाल कपूरिया प्रह्लाद सहाय पलसानिया रिछपाल कलवानिया राम सिंह दादरवाल सुगलचंद जीतरवाल युवा अध्यक्ष राजेश सद्धमोता अशोक कारैल पूर्व सरपंच धुणी लाल प्रभु दयाल निठारवाल रामचंद्र बोबासिया साधुराम नटवाड़िया सीताराम पलसानिया सहित कई समाज के प्रतिष्ठित गणमान्य लोग मौजूद थे।

धरने का दिखा असर, बिजली-पानी व्यवस्था दुरुस्त करने की तैयारी शुरू

स्मार्ट हलचल | खखरेरू/फतेहपुर

तक्कीपुर कठरिया गांव में बिजली और पेयजल समस्या को लेकर किसानों व ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। लगातार चल रहे आंदोलन का असर अब दिखने लगा है। प्रशासन ने बिजली व्यवस्था सुधारने और पानी की समस्या दूर करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को जल निगम के जेई शिव बहादुर सिंह धरनास्थल पहुंचे और गांव का निरीक्षण किया। उन्होंने रीबोर के लिए आठ स्थान चिह्नित किए तथा शाम से ही कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया। जिन स्थानों को रीबोर के लिए चयनित किया गया उनमें श्रीराम पटेल, राकेश रैदास, भूप सिंह, संदीप तिवारी, फूल कुंवर, पंचम लाल कोरीन का डेरा, रामबरन और खेल मैदान शामिल हैं। वहीं बिजली विभाग ने भी गांव में झुके पोल और लटकती तारों को दुरुस्त करने का कार्य दो दिनों के भीतर शुरू कराने का भरोसा दिलाया है। इससे ग्रामीणों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। धरने का नेतृत्व कर रहे जिला संगठन मंत्री धनंजय सिंह ने बताया कि जिला कृषि अधिकारी खागा, एसडीएम और प्रभागीय वनाधिकारी फतेहपुर को लगातार सूचना देकर बुलाया जा रहा है, लेकिन अब तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शनिवार तक संबंधित अधिकारी धरनास्थल पर नहीं पहुंचे तो दोपहर तीन बजे धाता-विजयीपुर मार्ग जाम किया जाएगा। धरने के तीसरे दिन ग्रामीणों और किसानों की संख्या में और बढ़ोतरी देखने को मिली। धरनास्थल पर मनोज श्रीवास्तव, रोहित सिंह, अंगद पटेल, राजू, शिव गोविंद, दशरथ, अजय सिंह समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, आंदोलन जारी रहेगा।

इस संबंध में जल निगम के जेई शिव बहादुर सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए गांव में रिवोर के लिए आठ स्थान चिन्हित किए गए हैं जहां आज शाम तक मशीन लगवा कर कार्य शुरू करवा दिया जाएगा वहीं विद्युत विभाग रसूलपुर सानी के जेई राजेंद्र सिंह ने बताया कि इंस्टीमेट बनाकर भेज दिया गया है बहुत जल्द जर्जर तार व पोलो को दुरुस्त कराया जाएगा।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को याद किया

स्मार्ट हलचल

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर पुष्कर नगर कांग्रेस कार्यालय पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें सभी कांग्रेसियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

इस मौक़े पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन मैक्स पाराशर ने उनका देश के प्रति योगदान आधुनिक भारत के निर्माण में उनकी दूरदर्शी सोच एवं युवाओं को सशक्त बनाने के प्रयासों को याद किया गया। स्वर्गीय राजीव गांधी के विचार सदैव हमें देश सेवा एकता और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेंगे। श्रद्धांजलि देने वालों में नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद पाराशर, एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन मैक्स पाराशर, पूर्व पालिकाध्क्ष दामोदर शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दामोदर मुखिया,विकास पूरी जगदीश कुर्डिया, विनोद पाराशर, शरद वैष्णव,सुरेश पाराशर, निवर्तमान पार्षद टिकम शर्मा,हेमंत गुर्जर, गोरीशंकर पाराशर,भागचंद दग्दी, संजय दग्दी,चाँदमल उदय,ओम, गिरीश पाराशर, राजू मल्लिक, बेनिगोपाल मंत्री, अमरचंद् सेन, ओम प्रकाश तिगया, सहित समस्त कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्यावर में 25 मई से गूंजेगा 'वंदे गंगा' का मंत्रः जल संरक्षण और स्वच्छता के लिए 12 दिन तक चलेगा महाअभियान

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार ब्यावर जिले में जल संकट से निपटने और पर्यावरण संरक्षण के लिए एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। जिले भर में आगामी 25 मई से 05 जून 2026 तक व्यापक स्तर पर 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026' का आयोजन किया जाएगा। इस 12 दिवसीय अभियान के तहत विभिन्न सरकारी विभागों के समन्वय से जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग), स्वच्छता और बड़े पैमाने पर पौधारोपण जैसी जनभागीदारी आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

पारंपरिक जल स्त्रोतों का होगा कायाकल्प

अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को पानी की हर बूंद का महत्व समझाना और पारंपरिक जल स्त्रोतों जैसे तालाबों, बांधों, नहरों व बावड़ियों को नया जीवन देना है। जिला स्तरीय नोडल अधिकारी और जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. गोपाल लाल मीना ने बताया कि इस अभियान को एक 'जन आंदोलन' का रूप दिया जाएगा। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर उपखण्ड अधिकारियों को नोडल और खण्ड विकास अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गंगा दशहरा पर जवाजा तालाब से होगा शंखनाद

अभियान का भव्य शुभारंभ 25 मई को गंगा दशहरा के पावन अवसर पर जवाजा तालाब की पाल पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम से होगा। यहाँ वंदे गंगा कलश यात्रा, जल पूजन, दीप प्रज्वलन, पीपल पूजन और पौधारोपण किया जाएगा। साथ ही, स्थानीय किसानों के सहयोग से जवाजा बांध पर विशेष श्रमदान और सफाई अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा मसूदा के नारायण सागर बांध और रायपुर लूणी बांध पर भी जल पूजन व स्वच्छता के कार्यक्रम होंगे।

विभागों को सौंपी जिम्मेदारी, होंगे विविध आयोजन

अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं: ग्रामीण विकास विभाग प्राचीन तालाबों व जोहड़ों की मैपिंग और मरम्मत करेगा तथा गांवों में 'जल चौपाल' लगाएगा। कृषि विभाग किसानों को सूक्ष्म सिंचाई और जैविक खेती के प्रति जागरूक करेगा। वन विभाग द्वारा 'हरियालो राजस्थान' के तहत तुलसी के पौधों का वितरण और पौधारोपण की अग्रिम तैयारियां की जाएंगी। शिक्षा विभाग के जरिए स्कूलों में निबंध, चित्रकला, नुक्कड़ नाटक और प्रभात फेरियों का आयोजन होगा। पशुपालन विभाग गौशालाओं में चिकित्सा शिविर और सफाई अभियान चलाएगा, वहीं उद्योग विभाग वाटर ऑडिट (जल उपयोग अंकेक्षण) करेगा।

31 मई को सजेगी जन-जागरूकता रैली और साइकिल मार्च

अभियान के तहत 31 मई को विशेष जागरूकता गतिविधियां होंगी। ब्यावर नगर परिषद द्वारा कृषि उपज मंडी (उदयपुर रोड) से सेदरिया तालाब तक एक विशाल जन-जागरूकता और साइकिल रैली निकाली जाएगी। सेदरिया तालाब पर महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई के साथ ही प्लास्टिक मुक्त अभियान की शुरुआत की जाएगी।

बेहतरीन काम करने वालों को मिलेगा 'जल गौरव सम्मान'

इस महाअभियान का समापन 05 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) को होगा। इस अवसर पर जिले में जल और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले भामाशाहों, स्वयंसेवी संगठनों (ह्रह्ह्य), ग्राम पंचायतों, नगर निकायों और अग्रणी 'जल योद्धाओं' को राज्य सरकार की ओर से 'जल गौरव सम्मान' से नवाजा जाएगा।

खखरेरू में ढहा शौचालय सहित भारजा मलबे में दबकर युवक की मौत

स्मार्ट हलचल | खखरेरू फतेहपुर

थाना क्षेत्र के नगर पंचायत खखरेरू में बीती रात एक बड़ा और दर्दनाक हादसा हो गया। यहाँ एक मकान का बारजा और उसके ऊपर बना शौचालय अचानक भरभराकर नीचे सो रहे चाचा-भतीजे पर गिर गया। इस मलबे में दबकर 34 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका 13 वर्षीय भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से थाना क्षेत्र के दौलतपुर निवासी शिवकरन प्रजापति पुत्र छोटूलाल प्रजापति वर्तमान में नगर पंचायत खखरेरू में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीती रात लगभग 9 बजे उनका चचेरा भाई राजकुमार (उम्र लगभग 34 वर्ष) और भतीजा रॉकी (उम्र लगभग 13 वर्ष) अपने घर के दरवाजे पर बारजे के नीचे लेटे हुए थे इसी दौरान बारजे के ऊपर बना भारी-भरकम शौचालय अचानक बारजे सहित नीचे ढह गया।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते हैं। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो , लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।
- हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
- डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

- आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें ।
- खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।
- यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

- एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीकहोती हैं।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

मालीक्युलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

- जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
- टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों - वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

- स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।
- हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं ,जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं ।

- माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।
- वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे -मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
- अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है ।
- हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ -साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक

बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

- तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।
- सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

- पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है।
- लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है।
- महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक -युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा ।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com